हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार 17 मई 2026

11 ग्रामीण सफाई कर्मियों की हड़ताल तेज, 20 तक बढ़ाया आंदोलन

12 फ्रिज की ट्रे और कूलर में पानी जमा नहीं होने दे रहे लोग...

खबर संक्षेप

राजकीय आईटीआई में रोजगार मेला 18 मई को

फतेहाबाद। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भोडिया खेड़ा के प्रधानाचार्य रमेश कुमार ने बताया ने बताया कि 18 मई को संस्थान परिसर में रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। मेले में आईटीआई अपीयरिंग व पासशुदा सभी ट्रेड, पॉलीटेक्निक डिप्लोमा अपीयरिंग व पासशुदा मैकेनिकल इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग तथा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी भाग ले सकते हैं।

डोडा पोस्त के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

फतेहाबाद। सीआईए रतिया पुलिस ने डोडा पोस्त की तस्करी करने के आरोप में पंजाब के एक युवक को रंगे हाथों काबू किया है। पकड़े गए आरोपी के कब्जे से पुलिस ने कुल 7 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया है। आरोपी की पहचान शिवम कुमार निवासी उडिया कॉलोनी, भटिंडा के रूप में हुई है। सीआईए रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि उनकी एक पुलिस टीम मादक पदार्थों की रोकथाम और संदिग्धों पर नजर रखने के लिए गांव

सांसद सैलजा 21 को फतेहाबाद में करेंगी शिरकत

फतेहाबाद। सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद कुमारी सैलजा 21 मई को फतेहाबाद में जिला विकास एवं समन्वय समिति यानि दिशा की मीटिंग लेगी। यह मीटिंग लघु सचिवालय के पास स्थित डीपीआरसी हॉल में सुबह 10 बजे होगी। मीटिंग में केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

रतिया में डायबिटीज एवं मोटापा जांच कैंप आज

रतिया। शहर के जैन समाधि स्थित जैन हॉस्पिटल में रविवार 17 मई को विशेष डायबिटीज, थायराइड एवं ओबेसिटी केयर जांच एवं परामर्श कैंप का आयोजन किया जाएगा। यह कैंप हरे कृष्णा नेत्रालय टोहाना द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसमें दिल्ली के पूर्व मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल से जुड़ी प्रसिद्ध एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डॉ. काजल अल्लावधी मरीजों की जांच एवं परामर्श देंगी। कैम्प का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा।

रंजिशन विद्यार्थी पर किया हमला

सिरसा। जेसीडी में पढ़ने वाले एक छात्र पर कुछ युवकों ने मिलकर हथियारों से हमला कर दिया। पुलिस को दी शिकायत में विक्रम ने बताया कि वह खाई शेरगढ़ का रहने वाला है और जेसीडी सिरसा में बीए प्रथम वर्ष की पढाई करता है। बीते दिन वह जेसीडी में गया था। जब वह बस स्टैंड सिरसा के पास खड़ा था। उसी समय तीन युवक उसके पास आए और उसके साथ झगड़ा करने लगे और मारपीट कर दी।

बढ़ती बिजली मांग से 33 केवी सब स्टेशन ओवरलोड, कटौती का खतरा बढ़ा

गर्मी ने दिखाए तेवर : लू के थपेड़ों से लोग बेहाल

41 डिग्री तापमान ने छुड़ाए पसीने, 20 मई तक राहत के आसार नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद में मई के दूसरे पखवाड़े के साथ गर्मी ने तेवर और तीखे कर लिए हैं। शनिवार को दोपहर के समय तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल कर दिया। जिले में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया, जिससे दिनभर हीटवेव जैसे हालात बने रहे। बाजारों और सड़कों पर दोपहर के समय आवाजाही कम दिखाई दी और लोग गर्मी से बचने के लिए छांव व ठंडे स्थानों का सहारा लेते नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार आगामी कुछ दिनों में राहत मिलने के आसार कम हैं। 20 मई तक दिन के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो सकती है, जबकि गर्म और शुष्क हवाएं लोगों की परेशानी बढ़ाएंगी। दोपहर के समय लू का असर और अधिक महसूस होने की संभावना जताई गई है। तापमान बढ़ने के साथ बिजली की मांग भी तेजी से उछलने लगी है। बिजली की बढ़ती डिमांड के कारण 33 केवी सब स्टेशन आवरलोड हो गया। मई की शुरुआत में हुई बारिश से लोगों को कुछ दिनों की राहत जरूर मिली थी, लेकिन अब तेज धूप और चढ़ते पारे ने गर्मी का असर अचानक बढ़ा दिया है। शनिवार को जिले का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4 डिग्री अधिक रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। गर्मी के इस असर से घरों और दफ्तरों में एसी, कूलर और पंखों का उपयोग बढ़ने लगा है, जिससे बिजली खपत में भी तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई।

बिजली की डिमांड में आया बड़ा उछाल

पिछले दो दिनों में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही थी, लेकिन 15 मई को इसमें अचानक बड़ा उछाल सामने आया। आंकड़ों के अनुसार 10 मई को जिले की कुल बिजली खपत 33.76 लाख यूनिट थी। 11 मई को यह 34.42 लाख यूनिट पहुंची। इसके बाद 12 मई को 35.88 लाख यूनिट, 13 मई को 37.40 लाख यूनिट और 14 मई को 38.10 लाख यूनिट दर्ज की गई। वहीं 15 मई को खपत सीधे 43.19 लाख यूनिट तक पहुंच गई। यानी सिर्फ एक दिन में करीब 5 लाख यूनिट की अतिरिक्त खपत दर्ज हुई, जिसने बिजली निगम की चिंता बढ़ा दी है।

क्यों बढ़ रही अचानक बिजली की मांग

- तापमान 40 डिग्री पार पहुंचने से एसी और कूलर का उपयोग तेजी से बढ़ा
- दिन के साथ रात में भी गर्मी बढ़ने से बिजली उपकरण लगातार चल रहे
- बारिश के बाद उमस बढ़ने से पंखों की निर्भरता भी बढ़ी
- शहरी इलाकों में घरेलू लोड के साथ व्यावसायिक मांग भी बढ़ी

आगे क्या है चुनौती

- मई के अंतिम सप्ताह में नौतपा शुरू होने से गर्मी और तेज होगी
- तापमान 44 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान
- बिजली खपत में रोजाना नया रिकॉर्ड बन सकता है
- ओवरलोडिंग के चलते ट्रिपिंग और फॉल्ट की शिकायतें बढ़ सकती हैं

आंशिक असर के बावजूद बढ़ेगा पारा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के अनुसार आज से 20 मई के बीच मौसम सामान्यतः शुष्क बना रहेगा। इस अवधि में दिन के तापमान में लगातार बढ़ोतरी होगी, जबकि रात के तापमान में हल्की गिरावट दर्ज हो सकती है। पश्चिमी दिशा से चलने वाली गर्म और शुष्क हवाएं हीटवेव की स्थिति पैदा कर सकती हैं। वहीं मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि लगातार सक्रिय पश्चिमी विक्षोभों के कारण मौसम में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। 17 मई के बाद उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान तेजी से बढ़ने लगा है। हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल और उत्तराखंड के कई हिस्सों में आने वाले दिनों में तेज गर्मी और लू चलने की संभावना है।

दोपहर में बाहर निकलने से बच रहे लोग

तेज धूप और लू के कारण दोपहर के समय शहर में सामान्य दिनों की तुलना में कम चहल-पहल देखी गई। बाजारों में दोपहर बाद सन्नाटा छाया रहा। गर्मी से बचाव के लिए लोग सिर ढककर निकल रहे हैं, वहीं शीतल पेय और ठंडे पानी की मांग भी बढ़ गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक बाहर न निकलने की सलाह दी है।

भूना। एचएम लॉजिस्टिक कंपनी के गेहूं भंडारण साइलो के बाहर रतिया-भूना रोड पर करीब 2 किलोमीटर तक जाम की स्थिति बनी हुई। *फोटो: हरिभूमि*

गेहूं ट्रकों से लगा जाम, दो किमी तक यातायात प्रभावित

- स्कूली बच्चों को भी झेलनी पड़ रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭भूना

एचएम लॉजिस्टिक कंपनी के गेहूं भंडारण साइलो के बाहर इन दिनों ट्रकों की लंबी कतार से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। गेहूं खरीद कार्य तेज होने के कारण प्रतिदिन सैकड़ों ट्रक सड़क किनारे खड़े किए जा रहे हैं, जिससे रतिया-भूना रोड पर करीब 2 किलोमीटर तक जाम की स्थिति बनी रहती है। इससे आम लोगों के साथ स्कूली बच्चों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार साइलो में गेहूं की आवक बढ़ने के साथ ट्रकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन कंपनी परिसर में वाहनों की पार्किंग के लिए पर्याप्त स्थान नहीं है। ऐसे में ट्रकों को सड़क पर ही खड़ा किया जा रहा है। इससे दिनभर आवागमन प्रभावित रहता है और राहगीरों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ता है। सबसे अधिक परेशानी स्कूल वैन चालकों और विद्यार्थियों को उठानी पड़ रही है। स्कूल की वैन जाम में फंसने से बच्चों को तेज गर्मी में लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। कई बार बच्चों को निर्धारित समय से काफी देरी से स्कूल पहुंचना पड़ता है। अभिभावकों ने भी इसे लेकर चिंता जताई है। विद्यार्थियों के अभिभावकों ने प्रशासन से इस समस्या के समाधान की मांग की है। उन्होंने उपायुक्त और आरटीए अधिकारियों को शिकायत देकर ट्रकों की आवाजाही और पार्किंग व्यवस्था दुरुस्त कराने की गुहार लगाई है।

अव्यवस्थित पार्किंग से आमजन परेशान

लोगों का कहना है कि गेहूं खरीद का कार्य जरूरी है, लेकिन सड़क पर ट्रकों की अव्यवस्थित पार्किंग से आमजन को परेशानी नहीं होनी चाहिए। प्रशासन को मौके पर निरीक्षण कर वैकल्पिक पार्किंग और यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि राहगीरों और स्कूली बच्चों को राहत मिले।

गुमशुदा महिला व दो बच्चों को परिवार से मिलाया

- बड़ोपल चौकी पुलिस की सराहनीय पहल

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा व्यक्तियों को तलाश कर उनके परिवारों से मिलाने के अभियान में बड़ोपल चौकी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने संवेदनशीलता और तत्परता से कार्रवाई करते हुए पिछले करीब दो महीने से लापता महिला गीता और उसके दो मासूम बच्चों नवीन तथा अजय को सकुशल ढूंढ निकाला है। पुलिस की इस मुस्तैदी के कारण एक बार फिर एक उजड़े हुए परिवार के चेहरों पर मुस्कान लौट आई है। बड़ोपल चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक पुरुषोत्तम ने बताया कि महिला व बच्चों की गुमशुदगी के संबंध में थाना सदर फतेहाबाद में 8 मार्च को मुकदमा दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होने के तुरंत बाद पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया और पीड़ितों की तलाश के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया। चौकी प्रभारी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने विभिन्न संभावित ठिकानों पर छापेमारी की और सुराग जुटाए।

फतेहाबाद। गुमशुदा महिला व बच्चों को परिजनों को सौंपते पुलिस कर्मचारी।

गोरक्षा के नाम पर ट्रक चालक के परिवार पर हमला

- गाड़ी छोड़कर फरार हुए 8 आरोपी

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

गांव नंगल में बीती देर शाम गौ रक्षा के नाम पर ऑल्टो गाड़ी व दो बाइक पर सवार होकर आए आठ अज्ञात लोगों ने गांव के बस स्टेंड के सामने खड़े ट्रक में गायें भरी होने का आरोप लगाकर ट्रक चालक व उसके परिवार के साथ के बदसलूकी की और विरोध करने पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। इससे बीचबचाव कर रहे कुछ लोगों को चोट लगी। बाद में विरोध करने पर अज्ञात लोग गाड़ी को वहीं छोडक़र भाग गए। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। गांव नंगल निवासी जमीला राम ने बताया कि उनका अपना ट्रक है। ट्रक को उसका भाई मनफूल राम चालक के तौर पर चलाता है। मनफूल राम कल देर शाम को ही जोधपुर से ट्रक में कोयला भर कर गांव नंगल लाया था। कोयला अगले दिन डेरा बस्सी लेकर जाना था। जमीला राम ने बताया कि मनफूल ने ट्रक को गांव के बस स्टेंड के सामने खाली जगह पर रोक दिया। कुछ देर बाद एक ऑल्टो कार व दो बाइक पर 8 लोग सवार होकर उनके पास पहुंचे और कहने लगे कि वे गो रक्षा दल से हैं और ट्रक की तलाशी लेना चाहते हैं कि ट्रक में गायें भरी हुई हैं। इसके बाद उन्होंने उक्त लोगों को ट्रक की तलाशी लेने दी। ट्रक में कोयला भरा हुआ था। जब उसके भाई व अन्य ग्रामीणों ने उक्त लोगों की पहचान के लिए उनकी आईडी मांगी की तो उक्त लोग झगड़े पर उतारु हो गए और गाड़ी से कुल्हाड़ी निकालकर उनके परिवार के लोगों पर हमला कर दिया।

रतिया। हमलावरों द्वारा गांव के बस स्टैंड पर छोड़ी गई गाड़ी।

एकत्रित भीड़ ने किया बचाव, जांच शुरू

इस दौरान वहां पर एकत्रित भीड़ ने बीचबचाव किया। ग्रामीणों के गुस्से को देखते हुए उक्त लोग गाड़ी को वहीं छोडक़र भाग गए। बाद में इसकी सूचना पुलिस में दी गई। सूचना मिलने के बाद ब्राह्मणवाला पुलिस चौकी के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और गाड़ी की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी प्रहलाद का कहना है कि गांव नंगल में कुछ लोगों द्वारा गो रक्षा के नाम पर गाड़ी की जांच और हमला करने की सूचना मिली थी जिसके बाद मौके पर पुलिस पहुंच गई थी।

8 साल पुराने केस में फैसला

25 ग्राम हेरोइन रखने पर आरोपी को 2 साल की कैद

- सह-आरोपी अमनदीप उर्फ गोलू निवासी खैराती खेड़ा को संदेह का लाभ देते हुए बरी किया

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद में आठ साल पुराने हेरोइन बरामदगी मामले में अदालत ने अहम फैसला सुनाया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हेमंत यादव की अदालत ने एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में आरोपी अमित कुमार उर्फ गोलू निवासी ठाकर बस्ती, फतेहाबाद को दोषी करार देते हुए 2 वर्ष के कठोर कारावास और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना जमा नहीं कराने पर आरोपी को अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। जिला न्यायवादी देवेंद्र कुमार मित्तल ने बताया कि यह फैसला 16 अगस्त 2018 को थाना शहर फतेहाबाद में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में सुनाया गया है। अदालत ने मुख्य आरोपी को दोषी पाया, जबकि सह-आरोपी अमनदीप उर्फ गोलू निवासी खैराती खेड़ा को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।

देह व्यापार मामले में होटल संचालक काबू

- होटल में काम करने वाली दो पीड़ित महिलाओं ने पुलिस को दी थी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा के एक होटल में चलाए जा रहे देह व्यापार के मामले में पुलिस ने होटल संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने होटल में काम करने वाली दो महिलाओं की शिकायत पर होटल संचालक सहित कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था जिसमें एक यूट्यूबर महिला भी शामिल है। पुलिस ने होटल में चल रही अनैतिक गतिविधियों का भंडाफोड़ करते हुए इस मामले में संलिप्त अन्य लोगों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं। होटल में काम करने वाली दो पीड़ित महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी थी कि उन्हें खाना बनाने व अन्य काम के लिए रखा गया था। पीड़ित महिलाओं ने बताया कि वे होटल में पिछले चार-पांच महीनों से कार्य कर रही थीं। इस दौरान होटल संचालक प्रिंस तथा उसकी पत्नी ने उन्हें बंधक बनाकर होटल में आने वाले ग्राहकों के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी जाती थी। इतना ही नहीं, मामले में एक महिला यूट्यूबर द्वारा भी उन पर समझौता करने का दबाव बनाया जा रहा था। पीड़ित महिलाओं के अनुसार यूट्यूबर महिला उन्हें पुलिस के पास न जाने की धमकी देते हुए उनके खिलाफ मामला दर्ज करवाने की बात करती थी।

सिरसा। देह व्यापार के मामले में गिरफ्तार होटल संचालक।

बिजली निगम का 27 लाख का जुर्माना रद्द

कोर्ट बोली- बिना पुख्ता सबूत कार्रवाई गैरकानूनी

फतेहाबाद। डॉ. मधुर बजाज की अदालत ने बिजली उपभोक्ता के पक्ष में अहम फैसला सुनाते हुए दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा लगाए गए करीब 27 लाख रुपए के जुर्माने को गैरकानूनी घोषित कर दिया। अदालत ने निगम के 21.96 लाख रुपए के असेसमेंट और 5.30 लाख रुपए की कंपाउंडिंग डिमांड के नोटिस को अमान्य व शून्य करार दिया। मामला भूना निवासी राज कुमार से जुड़ा है। निगम ने कथित चेकिंग के दौरान अनधिकृत लोड विस्तार समेत अन्य नियम उल्लंघन का आरोप लगाकर भारी जुर्माना लगाया था। इसके खिलाफ उपभोक्ता ने अपने अधिवक्ता राजकुमार पंवार के माध्यम से अदालत में याचिका दायर की। सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि निगम की कार्रवाई पर्याप्त साक्ष्यों के बिना की गई। रिकॉर्ड में न तो ऐसा कोई ठोस दस्तावेज प्रस्तुत किया गया और न ही वीडियोग्राफी, जिससे निगम के आरोप साबित हो सकें। कोर्ट ने यह भी माना कि चेकिंग रिपोर्ट नियमों की अनदेखी कर तैयार की गई और तथ्यात्मक स्थिति से मेल नहीं खाती। अदालत ने निगम को आदेश दिए कि विवादित राशि की वसूली उपभोक्ता से न की जाए। यदि इस मामले में बिजली कनेक्शन काटा गया है तो उसे तुरंत बहाल किया जाए। साथ ही, यदि उपभोक्ता ने जांच के दौरान कोई राशि जमा कराई है तो उसे 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित वापस लौटाया जाए।

पशु चिकित्सकों ने काले बिल्ले लगाकर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

हिसार स्थित हरियाणा वेटरिनरी वैक्सीन संस्थान में सरकारी पशु चिकित्सकों पर हुए जानलेवा हमले के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। हरियाणा स्टेट वेटरिनरी एसोसिएशन ने आरोपी की गिरफ्तारी के तुरंत बाद उसे जमानत मिलने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। एसोसिएशन ने इसे प्रशासनिक और कानूनी लापरवाही का एक गंभीर उदाहरण बताते हुए पुलिस प्रशासन पर जानबूझकर बेहद कमजोर धाराएं लगाने का आरोप लगाया है, जिससे पीड़ित अधिकारियों के साथ सरेआम अन्याय हुआ है। एसोसिएशन ने बताया कि घटना के बाद मौके के उच्चाधिकारी ने आरोपी कर्मचारी को तुरंत सस्पेंड कर दिया था। निलंबन अवधि के दौरान उसे मेवात हेडक्वार्टर भेजने की सिफारिश की गई थी, लेकिन आरोपों के मुताबिक, इस सिफारिश को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया और आरोपी को भिवानी में नियुक्ति दे दी गई। एसोसिएशन ने अब निदेशालय में पत्राचार कर आरोपी का स्टेशन तुरंत बदलने की मांग की है। संयुक्त सचिव डॉ. सुनील बिश्नोई ने इस घटना पर कड़ा रोष जताते हुए कहा कि यह घटना सरकारी अधिकारियों की सुरक्षा, सम्मान और कानून व्यवस्था पर सीधा हमला है।

डिजिटल इंडिया और सरकारी सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम

2जी के धीमे नेटवर्क से मिली मुक्ति : राशन डिपो पर 5जी मशीनों से दोगुनी रफ्तार से बंटेगा अनाज

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

डिजिटल इंडिया और सरकारी सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने एक बड़ा कदम उठाया है। अब राशन डिपो पर उपभोक्ताओं को अनाज लेने के लिए घंटों लंबी कतारों में नहीं खड़ा होना पड़ेगा। विभाग ने जिले के सभी डिपो पर आधुनिक तकनीक से लैस 5जी पीओएस यानि पॉइंट ऑफ सेल मशीनें उपलब्ध करवा दी हैं। इस कदम से क्षेत्र के हजारों राशन कार्डधारकों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा और राशन वितरण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी व बेहद तेज हो जाएगी। फतेहाबाद जिले में इस समय 318 राशन डिपो कार्यरत है, जिन पर 2जी पीओएस मशीन से लाखों लोगों को राशन दिया जा रहा है। दरअसल, पिछले काफी समय से राशन डिपो पर पुरानी 2जी तकनीक पर आधारित पीओएस मशीनें काम कर रही थीं। इन मशीनों में नेटवर्क की भारी समस्या रहती थी। सर्वर डाउन होने या सिग्नल कमजोर होने के कारण एक-एक उपभोक्ता का वेरिफिकेशन करने में काफी समय बर्बाद होता था।

फतेहाबाद। राशन लेने पहुंचे लोग।

उपभोक्ताओं ने जताई खुशी

जाखल के राशन डिपो पर राशन लेने पहुंचे कार्डधारक अनूप सिंह, विनोद कुमार, उर्मिला और कमलेश ने नई व्यवस्था पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि पहले नेटवर्क की समस्या के कारण उन्हें डिपो के कई चक्कर काटने पड़ते थे। कभी-कभी अंगूठा न आने पर बैरंग लौटना पड़ता था, लेकिन अब 5जी मशीनों के आने से कुछ ही सेकंड में वेरिफिकेशन हो रहा है। उपभोक्ताओं ने इस जनकल्याणकारी पहल के लिए सरकार और प्रशासन का आभार जताया है। वहीं, दूसरी ओर डिपो संचालकों ने भी फैसले का स्वागत किया है।

हाईटेक होंगी मशानें

विभाग द्वारा भेजी गई ये नई 5जी पीओएस मशीनें न केवल नेटवर्क के मामले में सुपरफास्ट हैं, बल्कि सुरक्षा और पारदर्शिता के लिहाज से भी बेहद हाईटेक हैं। ये मशीनें सीधे इलेक्ट्रॉनिक कांटे से जुड़ी होंगी। यानी जैसे ही मशीन में उपभोक्ता का वेरिफिकेशन सफल होगा, कांटे पर तौला जाने वाला राशन सीधे सॉफ्टवेयर में दर्ज हो जाएगा।

समय की होगी बचत

जिले के राशन डिपो पर 5जी तकनीक वाली आधुनिक मशीनें वितरित कर दी गई हैं। अब क्षेत्र के सभी कार्डधारकों को इन्हीं नई मशीनों के माध्यम से सुचारू रूप से राशन दिया जा रहा है। हमारा मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं के समय की बचत करना और प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी बनाना है। भविष्य में भी कार्डधारकों को राशन लेने में कोई परेशानी न आए, इसके लिए प्रशासन और विभाग लगातार प्रयासरत है।

-राकेश कुमार,
खाद्य पूर्ति निरीक्षक, जाखल

बिना काम किए हर महीने आएगी नियमित इनकम

एसआईपी के अलावा और भी हैं निवेश के बेहतर तरीके

बिना बिजनेस किए भी बन सकती है पैसिव इनकम

कम जोखिम में स्थिर आय चाहते हैं तो ये विकल्प खास

एफडी, बॉन्ड्स व आरईआईटीएस से हर माह हो सकती है कमाई

बाजार जोखिम के बावजूद निवेशकों में बढ़ा डिविडेंड स्टॉक्स का क्रेज

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी कमाई का एक हिस्सा ऐसी जगह निवेश हो, जहां से भविष्य सुरक्षित होने के साथ-साथ नियमित मासिक आय भी मिलती रहे। बढ़ती महंगाई, नौकरी की अनिश्चितता और रिटायरमेंट की चिंता के बीच लोग अब केवल बचत नहीं, बल्कि स्मार्ट निवेश की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। आमतौर पर लोग एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान को निवेश का सबसे लोकप्रिय तरीका मानते हैं, लेकिन इसके अलावा भी कई ऐसे विकल्प मौजूद हैं जो हर महीने नियमित कमाई देने में मदद कर सकते हैं। सही योजना और जोखिम क्षमता को ध्यान में रखकर निवेश किया जाए तो हर महीने अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है। ऐसे में जानिए एसआईपी के अलावा कई ऐसे स्मार्ट विकल्पों के बारे में, जो लंबे समय में संपत्ति बढ़ाने के साथ नियमित इनकम का मजबूत जरिया बन सकते हैं।

म्यूचुअल फंड एसडब्ल्यूपी

एसडब्ल्यूपी यानी सिस्टेमैटिक विदड्रॉल प्लान उन निवेशकों के लिए बेहतरीन विकल्प माना जाता है, जो अपने निवेश से हर महीने निश्चित रकम निकालना चाहते हैं। इसमें निवेशक पहले किसी म्यूचुअल फंड में एकमुश्त राशि निवेश करता है और फिर हर महीने तय रकम निकाल सकता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि बाकी बचा पैसा फंड में निवेशित रहता है और उस पर रिटर्न मिलता रहता है। हालांकि, इसमें बाजार जोखिम जुड़ा होता है, इसलिए निवेश से पहले फंड का प्रदर्शन और जोखिम स्तर समझना जरूरी है।

पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम

जो लोग जोखिम से बचना चाहते हैं, उनके लिए पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम काफी भरोसेमंद विकल्प है। यह केंद्र सरकार समर्थित योजना है, इसलिए इसमें जमा राशि सुरक्षित मानी जाती है। इस योजना में निवेश करने पर हर महीने निश्चित ब्याज सीधे खाते में जमा होता है। ग्रामीण और छोटे शहरों में आज भी बड़ी संख्या में लोग इसे सुरक्षित आय का साधन मानते हैं। इसमें एक निश्चित अवधि के लिए निवेश किया जाता है और ब्याज दर सरकार समय-समय पर तय करती है। यह योजना उन लोगों के लिए अधिक फायदेमंद है जो स्थिर और गारंटीड आय चाहते हैं।

डिविडेंड स्टॉक्स

शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों के बीच डिविडेंड स्टॉक्स तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। डिविडेंड स्टॉक्स वे कंपनियां होती हैं जो अपने मुनाफे का एक हिस्सा नियमित रूप से शेयरधारकों को देती हैं। आमतौर पर मजबूत और स्थिर कंपनियां नियमित डिविडेंड देती हैं। ऐसे में निवेशकों को दोहरा फायदा मिलता है एक तरफ शेयर की कीमत बढ़ने की संभावना रहती है और दूसरी ओर नियमित डिविडेंड आय भी प्राप्त होती है। हालांकि, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहता है। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह अच्छा विकल्प साबित हो सकता है।

कॉर्पोरेट बॉन्ड्स

कॉर्पोरेट बॉन्ड्स उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प माने जाते हैं जो बैंक एफडी से अधिक रिटर्न चाहते हैं। इसमें निवेशक किसी निजी कंपनी को निश्चित समय के लिए पैसा उधार देता है और बदले में कंपनी तय ब्याज का भुगतान करती है। अच्छी रेटिंग वाली कंपनियों के बॉन्ड अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाते हैं और इनमें बैंक एफडी की तुलना में अधिक ब्याज मिल सकता है। कई कंपनियां मासिक, तिमाही या वार्षिक आधार पर ब्याज भुगतान करती हैं।

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम खासतौर पर बुजुर्गों के लिए तैयार की गई सुरक्षित निवेश योजना है। इसमें निवेश पर तिमाही आधार पर ब्याज मिलता है और ब्याज दर सामान्य बचत योजनाओं की तुलना में अधिक होती है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें सरकार की गारंटी रहती है, जिससे निवेश पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है। साथ ही आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है।

रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स

आरईआईटीएस यानी रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प हैं जो बिना प्रॉपर्टी खरीदे रियल एस्टेट से कमाई करना चाहते हैं। इसमें निवेशक बड़े मॉल, ऑफिस स्पेस, कमर्शियल बिल्डिंग और अन्य प्रॉपर्टी प्रोजेक्ट्स में अप्रत्यक्ष रूप से निवेश करते हैं। इन प्रॉपर्टी से मिलने वाला किराया निवेशकों के बीच बांटा जाता है। इसका फायदा यह है कि कम राशि में भी रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश संभव हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, आरईआईटीएस लंबी अवधि में स्थिर आय और पूंजी वृद्धि दोनों का अवसर प्रदान करते हैं।

मासिक ब्याज एफडी

मासिक ब्याज एफडी उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प है जो अपनी जमा पूंजी पर हर महीने निश्चित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक बैंक या एनबीएफसी में फिक्स्ड डिपॉजिट कराते हैं और 'मंथली पेआउट' विकल्प चुनते हैं। इससे हर महीने ब्याज सीधे खाते में आता रहता है, जिसे पेंशन की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। वर्तमान समय में कई बैंक और वित्तीय संस्थान आकर्षक ब्याज दरें दे रहे हैं। यह विकल्प कम जोखिम वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त माना जाता है। हालांकि, ब्याज दरें समय-समय पर बदलती रहती हैं, इसलिए निवेश से पहले विभिन्न बैंकों की दरों की तुलना करना जरूरी है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी निवेश विकल्प को चुनने से पहले अपनी आय, खर्च, जोखिम क्षमता और वित्तीय लक्ष्य को समझना जरूरी है।

एसआईपी की भीड़ में छुपा निवेश का सबसे 'स्मार्ट प्लान' एफएमपी

सुझाव
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में निवेश की बात हो और एसआईपी का नाम न आए, ऐसा कम ही होता है। हर दूसरा निवेशक एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में बड़ा फंड बनाने की बात करता है। लेकिन निवेश की दुनिया केवल शेयर बाजार और इक्विटी फंड्स तक सीमित नहीं है। ऐसे निवेशकों के लिए भी कई विकल्प मौजूद हैं, जो कम जोखिम के साथ स्थिर और अनुमानित रिटर्न चाहते हैं। इन्हीं विकल्पों में एक नाम है एफएमपी यानी फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान?। यह उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है जो बैंक एफडी जैसी सुरक्षा चाहते हैं, लेकिन उससे थोड़ा ज्यादा रिटर्न और टैक्स में राहत भी पाना चाहते हैं। यही वजह है कि इसे "म्यूचुअल फंड वाली एफडी " भी कहा जाता है।

क्या होता है एफएमपी ?

एफएमपी यानी फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान एक क्लोज-एंडेड डेट म्यूचुअल फंड होता है। "क्लोज-एंडेड" का मतलब यह है कि इसमें निवेश केवल एक तय समय तक ही किया जा सकता है। जब स्कीम लॉन्च होती है, तभी निवेशक इसमें पैसा लगाते हैं। उसके बाद स्कीम बंद हो जाती है और नए निवेश की अनुमति नहीं रहती।
इसकी सबसे खास बात यह है कि इसकी मैच्योरिटी पहले से तय होती है। यानी फंड हाउस पहले ही बता देता है कि यह योजना 1 साल, 3 साल या 5 साल की होगी। निवेशक को उसी अवधि तक पैसा निवेशित रखना पड़ता है।

कहां निवेश होता है पैसा?

एफएमपी एक डेट फंड है। इसका मतलब है कि इसमें निवेशकों का पैसा शेयर बाजार में नहीं लगाया जाता, बल्कि सरकारी बॉन्ड्स, कॉरपोरेट

बॉन्ड्स, डिबेंचर्स और अन्य फिक्स्ड इनकम इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश किया जाता है। इन साधनों से निश्चित ब्याज मिलता है, इसलिए इसमें जोखिम इक्विटी फंड्स के मुकाबले काफी कम माना जाता है। यही कारण है कि बाजार में भारी गिरावट आने पर भी एफएमपी निवेशकों पर ज्यादा असर नहीं पड़ता।

कैसे काम करता है एफएमपी

एफएमपी का काम करने का तरीका काफी सरल है। मान लीजिए किसी स्कीम की अवधि 3 साल है, तो फंड मैनेजर उन्हीं बॉन्ड्स में निवेश करेगा जिनकी मैच्योरिटी भी लगभग 3 साल बाद हो। इससे फायदा यह होता है कि ब्याज दरों में बीच-बीच में आने वाले उतार-चढ़ाव का असर सीमित हो जाता है। निवेशक को पहले से अंदाजा रहता है कि मैच्योरिटी पर लगभग कितना रिटर्न मिल सकता है।

एफडी से कैसे अलग

अक्सर लोग एफएमपी की तुलना बैंक एफडी से करते हैं। दोनों में ही पैसा एक तय अवधि के लिए निवेश होता है और रिटर्न भी अपेक्षाकृत स्थिर रहता है। लेकिन एफएमपी की सबसे बड़ी ताकत टैक्स बचत मानी जाती है। बैंक एफडी पर मिलने वाले ब्याज पर निवेशक को अपनी टैक्स स्लैब के हिसाब से टैक्स देना पड़ता है। वहीं एफएमपी में लंबी अवधि के निवेश पर इंडेक्सेशन का लाभ मिल सकता है, जिससे टैक्स देनदारी कम हो जाती है। इंडेक्सेशन महंगाई को एडजस्ट करके निवेश की लागत बढ़ा देता है, जिससे टैक्स योग्य लाभ कम दिखता है। इसका फायदा यह होता है कि निवेशक के हाथ में एफडी के मुकाबले ज्यादा नेट रिटर्न बच सकता है।

बाजार की उथल-पुथल में राहत

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में रिटर्न बाजार की चाल पर निर्भर करता है। बाजार तेजी में हो तो मुनाफा अच्छा मिलता है, लेकिन गिरावट आने पर नुकसान भी हो सकता है। इसके विपरीत, एफएमपी में निवेश बॉन्ड्स और फिक्स्ड इनकम इंस्ट्रूमेंट्स में होता है। इसलिए शेयर बाजार में भारी गिरावट आने पर भी इसमें उतार-चढ़ाव सीमित रहता है।

एफएमपी के जोखिम भी समझना जरूरी

एफएमपी को अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जाता है, लेकिन इसमें भी कुछ जोखिम मौजूद रहते हैं। सबसे बड़ा जोखिम इसकी कम लिक्विडिटी है। अगर निवेशक को बीच में पैसों की जरूरत पड़ जाए, तो वह एफडी की तरह आसानी से पैसा नहीं निकाल सकता। इसलिए इसमें वही पैसा लगाना चाहिए जिसकी जरूरत मैच्योरिटी से पहले न हो। दूसरा जोखिम क्रेडिट रिस्क का होता है। अगर जिस कंपनी के बॉन्ड में निवेश किया गया है, वह कंपनी भुगतान करने में असफल हो जाए, तो नुकसान हो सकता है।

क्या चुनें?

अगर कोई निवेशक हर महीने छोटी रकम निवेश करना चाहता है और लंबे समय तक जोखिम लेने को तैयार है, तो एसआईपी बेहतर विकल्प हो सकता है। लेकिन जिन लोगों के पास एकमुश्त राशि है जैसे बोनस, रिटायरमेंट फंड या बचत और वे उसे 1 से 3 साल के लिए सुरक्षित रखना चाहते हैं, उनके लिए एफएमपी बेहतर साबित हो सकता है।

समझदारी से लें फैसला

निवेश का सही विकल्प हमेशा व्यक्ति की जरूरत, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। एफएमपी उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प है जो स्थिरता, अनुमानित रिटर्न और टैक्स में राहत चाहते हैं।एसआईपी और इक्विटी फंड्स जहां लंबी अवधि में अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं, वहीं एफएमपी पोर्टफोलियो में संतुलन और सुरक्षा देने का काम करता है। इसलिए निवेश करते समय केवल भीड़ का हिस्सा बनने के बजाय जरूरतों के हिसाब से फैसला लेना ज्यादा जरूरी है।

अर्थव्यवस्था मजबूत बनाने वाले विकल्पों में करें निवेश

पीएम मोदी की अपील के बाद बदल रही निवेश की सोच

बचत मंत्र
बिजनेस डेस्क

भारत में सोने को हमेशा सुरक्षित निवेश और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना गया है। शादी-ब्याह से लेकर बचत तक, हर घर में सोना एक अहम हिस्सा रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मंचों से यह अपील की है कि लोग भौतिक सोने की खरीद कम करें और ऐसे निवेश विकल्प अपनाएं जो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दें। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर निवेशक सोने में पैसा फंसाने के बजाय भारतीय कंपनियों, सरकारी योजनाओं और उत्पादक क्षेत्रों में निवेश करते हैं, तो इससे न केवल उन्हें बेहतर रिटर्न मिल सकता है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा। ऐसे में अगर निवेशक वैकल्पिक साधनों की ओर बढ़ते हैं, तो इससे विदेशी मुद्रा बचाने और घरेलू निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।

इक्विटी म्यूचुअल फंडः छोटी रकम से बड़ी भागीदारी

आज के समय में इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश का सबसे लोकप्रिय विकल्प बन चुके हैं। इसमें निवेशकों का पैसा भारतीय कंपनियों के शेयरों में लगाया जाता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि निवेशक केवल 500 महीने की एसआईपी से भी शुरुआत कर सकते हैं। लंबे समय में इक्विटी फंड महंगाई को मात देने और बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब लोग इक्विटी फंड में निवेश करते हैं, तो उनका पैसा सीधे भारतीय उद्योगों और कारोबार को मजबूत करने में लगता है।

एसजीबी : सोने जैसा भरोसा, बिना स्टोरेज की चिंता

जो लोग सोने में निवेश करना चाहते हैं, उनके लिए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड यानी एसजीबी बेहतर विकल्प माना जाता है। यह भारत सरकार द्वारा जारी किया जाता है और इसमें निवेशक को सोने की कीमत बढ़ने का फायदा भी मिलता है। सबसे खास बात यह है कि इसमें भौतिक सोना खरीदने जैसी चोरी, शुद्धता और स्टोरेज की चिंता नहीं रहती। इसके अलावा निवेशक को तय ब्याज भी मिलता है। व

रियल एस्टेटः लंबी अवधि का मजबूत विकल्प

रियल एस्टेट हमेशा से भारतीय निवेशकों की पसंद रहा है। खासतौर पर ऐसे क्षेत्रों में जहां सड़क, मेट्रो, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर या नई इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं विकसित हो रही हों, वहां जमीन और संपत्ति के दाम तेजी से बढ़ सकते हैं। हालांकि रियल एस्टेट में निवेश के लिए बड़ी पूंजी की जरूरत होती है, लेकिन लंबी अवधि में यह अच्छा रिटर्न और संपत्ति निर्माण का माध्यम बन सकता है।

पीपीएफ और एनएससी : सुरक्षित निवेश का विकल्प

जो निवेशक जोखिम नहीं लेना चाहते, उनके लिए सरकार समर्थित बचत योजनाएं बेहतर विकल्प मानी जाती हैं।पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एनएससी) जैसी योजनाएं सुरक्षित और स्थिर रिटर्न देती हैं। पीपीएफ में लंबी अवधि का टैक्स-फ्री रिटर्न मिलता है, जबकि एनएससी निश्चित ब्याज के साथ सुरक्षित निवेश का विकल्प देता है।

कॉरपोरेट एफडी : बैंक एफडी से ज्यादा रिटर्न

कई निवेशक बैंक एफडीसे बेहतर रिटर्न के लिए कंपनी फिक्स्ड डिपॉजिट यानी कॉरपोरेट एफडी की ओर भी रुख कर रहे हैं। कॉरपोरेट एफडी में ब्याज दरें सामान्य बैंक एफडी से अधिक हो सकती हैं।

गोल्ड ईटीएफ और ईजीआर भी बन रहे विकल्प

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कोई निवेशक सोने में निवेश करना ही चाहता है, तो फिजिकल गोल्ड खरीदने के बजाय गोल्ड ईटीएफ या इलेक्ट्रोनिक गोल्ड रिसिप्ट (ईजीआर) जैसे विकल्प बेहतर हो सकते हैं।इससे गोल्ड इम्पोर्ट पर दबाव कम करने में मदद मिलती है।

संतुलित पोर्टफोलियो जरूरी

वित्तीय विशेषज्ञ हमेशा संतुलित निवेश रणनीति अपनाने की सलाह देते हैं। केवल एक ही साधन में पैसा लगाने के बजाय निवेश को इक्विटी, गोल्ड, डेट और सुरक्षित योजनाओं के बीच बांटना बेहतर माना जाता है। इससे जोखिम कम होता है और अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में पोर्टफोलियो स्थिर बना रहता है।

डायरेक्ट फंड्स चुनें या रेगुलर?

म्यूचुअल फंड में सही तरीके से ही लें निवेश का फैसला

सावधानी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले ज्यादातर लोगों के सामने एक सवाल जरूर आता है—डायरेक्ट फंड चुनें या रेगुलर फंड पहली नजर में दोनों लगभग एक जैसे दिखाई देते हैं। एक ही फंड मैनेजर, एक जैसी निवेश रणनीति और एक जैसा पोर्टफोलियो। लेकिन इन दोनों के बीच का छोटा-सा फर्क लंबे समय में आपकी कमाई पर बड़ा असर डाल सकता है। निवेश शुरू करने से पहले यह समझना जरूरी है कि आखिर डायरेक्ट और रेगुलर फंड में अंतर क्या है और आपके लिए कौन-सा विकल्प ज्यादा बेहतर हो सकता है।

क्या होता है डायरेक्ट और रेगुलर फंड?

डायरेक्ट फंड वह होता है जिसमें निवेशक सीधे म्यूचुअल फंड कंपनी के जरिए निवेश करता है। इसमें कोई एजेंट, डिस्ट्रीब्यूटर या बिचौलिया शामिल नहीं होता। वहीं रेगुलर फंड में निवेश किसी एडवाइजर, बैंक, एजेंट या डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से किया जाता है। इसके बदले फंड हाउस उन्हें कमीशन देता है, जिसकी लागत निवेशक से वसूली जाती है। यही वजह है कि दोनों फंड्स के रिटर्न में अंतर देखने को मिलता है।

एक्सपेंस रेशियो का खेल समझिए

डायरेक्ट फंड का सबसे बड़ा फायदा इसका कम एक्सपेंस रेशियो होता है। क्योंकि इसमें किसी डिस्ट्रीब्यूटर को कमीशन नहीं दिया जाता, इसलिए निवेशक की लागत कम रहती है। दूसरी तरफ रेगुलर फंड में कमीशन जुड़ने से एक्सपेंस रेशियो थोड़ा ज्यादा हो जाता है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन लंबे समय में यह आपकी कुल कमाई पर बड़ा असर डालता है। उदाहरण के तौर पर, अगर दो फंड एक जैसा रिटर्न दे रहे हों और उनमें केवल 1% लागत का फर्क हो, तो 10-15 साल में यह अंतर लाखों रुपये तक पहुंच सकता है। डायरेक्ट फंड में रिटर्न ज्यादा क्यों दिखता है?
डायरेक्ट फंड में रिटर्न ज्यादा होने का कारण कोई अलग निवेश रणनीति नहीं है। असल वजह यह है कि इसमें फीस कम कटती है। कम लागत का सीधा फायदा निवेशक को मिलता है और लंबी अवधि में कंपाउंडिंग के जरिए यह अंतर और बढ़ जाता है। यही कारण है कि जो निवेशक खुद रिसर्च कर सकते हैं और बाजार को समझते हैं, वे अक्सर डायरेक्ट फंड को प्राथमिकता देते हैं।

फिर लोग रेगुलर फंड क्यों चुनते हैं?

अगर डायरेक्ट फंड सस्ते और ज्यादा रिटर्न देने वाले हैं, तो सवाल उठता है कि लोग रेगुलर फंड क्यों चुनते हैं?
असल में रेगुलर फंड केवल निवेश नहीं, बल्कि गाइडेंस भी देते हैं। एक अच्छा वित्तीय सलाहकार निवेशक की आय, लक्ष्य, जोखिम क्षमता और जरूरतों के हिसाब से सही फंड चुनने में मदद करता है। इसके अलावा बाजार में गिरावट आने पर कई निवेशक घबरा जाते हैं और गलत समय पर पैसा निकाल लेते हैं। ऐसे समय में एडवाइजर निवेशक को शांत रखने और सही रणनीति पर टिके रहने में मदद करता है। यानी रेगुलर फंड की अतिरिक्त लागत केवल कमीशन नहीं, बल्कि सलाह और सपोर्ट की फीस भी होती है।

आपके लिए कौन-सा विकल्प सही?

अगर आप निवेश की बेसिक समझ रखते हैं, खुद रिसर्च कर सकते हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव में भावनात्मक फैसले नहीं लेते, तो डायरेक्ट फंड आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं। लेकिन अगर आप नए निवेशक हैं, फंड चुनने में कन्फ्यूज रहते हैं या बाजार गिरने पर घबरा जाते हैं, तो रेगुलर फंड ज्यादा सुरक्षित विकल्प साबित हो सकते हैं। कई बार गलत फैसले जैसे बाजार गिरते ही निवेश रोक देना या बार-बार फंड बदलना निवेशक को उस फीस से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचा देते हैं जो वह रेगुलर फंड में देता है। म्यूचुअल फंड में सफलता केवल सही फंड चुनने से नहीं मिलती, बल्कि सही व्यवहार भी उतना ही जरूरी होता है। हाल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड के पीछे भागना। बाजार गिरते ही निवेश रोक देना। बार-बार पोर्टफोलियो बदलना। छोटी अवधि में बड़े रिटर्न की उम्मीद करना। ये गलतियां निवेश की पूरी रणनीति खराब कर सकती हैं।

लंबी अवधि में अनुशासन ही असली फायदा

डायरेक्ट फंड हो या रेगुलर, दोनों में सबसे ज्यादा जरूरी है अनुशासन और धैर्य। अगर निवेशक लंबे समय तक लगातार निवेश बनाए रखता है, तो कंपाउंडिंग का फायदा धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार करता है। इसलिए निवेश का फैसला केवल कम फीस या ज्यादा रिटर्न देखकर नहीं, बल्कि अपनी समझ, अनुभव और व्यवहार को ध्यान में रखकर लेना चाहिए।

समझदारी से चुनें निवेश का रास्ता

डायरेक्ट और रेगुलर फंड दोनों के अपने फायदे हैं। डायरेक्ट फंड कम लागत और ज्यादा संभावित रिटर्न देते हैं, जबकि रेगुलर फंड सलाह और निवेश अनुशासन बनाए रखने में मदद करते हैं। आखिर में सही विकल्प वही है जो आपकी जरूरत, निवेश ज्ञान और मानसिक आराम के हिसाब से फिट बैठे। क्योंकि सफल निवेश केवल सही फंड चुनने से नहीं, बल्कि लंबे समय तक सही रणनीति पर टिके रहने से बनता है।

सही रणनीति, अनुशासन और धैर्य के साथ करें निवेश

एसआईपी के बेस्ट टिप्स, लंबे समय में बना देंगे बड़ा फंड

- समय पर शुरू की गई एसआईपी देती है बड़ा फायदा
- लंबी अवधि का निवेश ही दिलाता है असली रिटर्न

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में हर व्यक्ति चाहता है कि उसका भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित हो। बेहतर घर, बच्चों की पढ़ाई, रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन और अचानक आने वाली जरूरतों के लिए बड़ा फंड तैयार करना अब लोगों की प्राथमिकता बन चुका है, लेकिन जब निवेश की बात आती है तो अधिकतर लोग शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से डर जाते हैं। ऐसे में म्यूचुअल फंड की एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान एक आसान और भरोसेमंद विकल्प बनकर सामने आती है। एसआईपी केवल हर महीने कुछ रुपये जमा करने का तरीका नहीं है, बल्कि यह एक अनुशासित निवेश रणनीति है। छोटी रकम से शुरू होकर यह लंबे समय में बड़ा फंड तैयार करने की क्षमता रखती है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि सही प्लानिंग और धैर्य के साथ एसआईपी करोड़ों रुपये का कॉर्पस तैयार कर सकती है।

अनुशासन जरूरी

कई लोग बाजार गिरने पर घबराकर अपनी एसआईपी बंद कर देते हैं, जबकि यही सबसे बड़ी गलती होती है। एसआईपी का असली फायदा तभी मिलता है जब निवेशक लगातार निवेश करता रहे। बाजार में गिरावट आने पर कम कीमत पर ज्यादा यूनिट्स खरीदने का मौका मिलता है। इसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग (आरसीए)कहा जाता है। लंबे समय में यही रणनीति औसत लागत को कम करती है और बेहतर रिटर्न देने में मदद करती है। इसलिए बाजार की हलचल देखकर निवेश रोकने के बजाय अनुशासन बनाए रखना जरूरी है।

लंबी अवधि का नजरिया रखें

एसआईपी उन लोगों के लिए नहीं है जो एक-दो साल में पैसा दोगुना करना चाहते हैं। म्यूचुअल फंड में असली संपत्ति लंबे समय में बनती है। विशेषज्ञ कम से कम 5 से 10 साल का नजरिया रखने की सलाह देते हैं।

शुरुआती वर्षों में निवेश की रफ्तार सामान्य लग सकती है, लेकिन जैसे-जैसे समय बढ़ता है, कंपाउंडिंग का असर तेजी से दिखाई देने लगता है। कई निवेशकों का अनुभव है कि 10-15 साल तक नियमित एसआईपी करने पर बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

लक्ष्य तय करके करें निवेश

बिना लक्ष्य के निवेश करना अक्सर भ्रम पैदा करता है। इसलिए एसआईपी शुरू करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि निवेश किस उद्देश्य के लिए किया जा रहा है। जैसे घर खरीदना, बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी, रिटायरमेंट या इमरजेंसी फंड। जब निवेश किसी खास लक्ष्य से जुड़ा होता है तो बाजार की गिरावट में भी निवेशक भावनात्मक रूप से मजबूत बना रहता है।

जोखिम क्षमता को समझें

हर निवेशक की आर्थिक स्थिति और जोखिम लेने की क्षमता अलग होती है। इसलिए दूसरों को देखकर निवेश करना नुकसानदायक हो सकता है। यदि कोई निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहता तो उसे लार्ज कैप या इंडेक्स फंड से शुरुआत करनी चाहिए। वहीं, लंबे समय तक निवेश करने वाले और ज्यादा जोखिम लेने वाले निवेशक मिड कैप या स्मॉल कैप फंड का विकल्प चुन सकते हैं। सही फंड का चयन उम्र, आय और वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

ज्यादा रिटर्न देख फंड न चुनें

कई लोग पिछले एक साल का शानदार रिटर्न देखकर किसी फंड में निवेश कर देते हैं, जबकि यह तरीका सही नहीं माना जाता। फंड चुनते समय उसके पिछले 5 से 10 साल के प्रदर्शन को देखना जरूरी है। यह भी देखना चाहिए कि बाजार गिरने पर फंड का प्रदर्शन कैसा रहा, फंड मैनेजर का अनुभव कितना है और फंड लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है या नहीं। जैसे-जैसे आय बढ़ती है, निवेश की रकम भी बढ़ानी चाहिए। इसे स्टेपअप एसआईपी कहा जाता है। यदि कोई व्यक्ति हर साल अपनी एसआईपी में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करता है तो लंबे समय में उसका फंड कई गुना तेजी से बढ़ सकता है। उदाहरण के तौर पर 5 हजार रुपये मासिक एसआईपी शुरू करने वाला निवेशक यदि हर साल इसमें थोड़ी वृद्धि करता रहे, तो भविष्य में करोड़ों रुपये का कॉर्पस तैयार करना आसान हो सकता है।

बाजार की गिरावट को समझें

जब बाजार में भारी गिरावट आती है तो अधिकतर निवेशक डर जाते हैं, लेकिन अनुभवी निवेशक इसे अवसर मानते हैं। गिरावट के दौरान कम कीमत पर खरीदी गई यूनिट्स भविष्य में ज्यादा रिटर्न देने की संभावना रखती हैं। इसीलिए बाजार में उतार-चढ़ाव को लेकर घबराने के बजाय निवेशकों को अपनी रणनीति पर टिके रहना चाहिए। एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत यही है कि यह बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश जारी रखती है।

धैर्य ही सबसे बड़ी पूंजी

शेयर बाजार में सफलता केवल ज्ञान से नहीं, बल्कि धैर्य से भी मिलती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है। जो निवेशक हर गिरावट में घबराकर फैसले बदलता है, उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं, जो निवेशक लंबे समय तक अपनी रणनीति पर कायम रहता है, वही अंत में बड़ा लाभ कमाने में सफल होता है। एसआईपी में धैर्य रखने वाले निवेशकों को ही कंपाउंडिंग का असली फायदा मिलता है।

खबर संक्षेप

माधोसिंघाना स्कूल के विद्यार्थी छाए

चोपटा। राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल माधोसिंघाना के विद्यार्थियों का हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा घोषित किए गए 12वीं कक्षा के बोर्ड परीक्षा परिणामों में शत-प्रतिशत रहा। विज्ञान संकाय के सभी 8 विद्यार्थी मेरिट में रहे और उनमें से 4 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त किए। स्कूल के प्रवक्ता ने बताया कि स्कूल की छात्रा संजना ने 96.2 फीसदी के साथ प्रथम स्थान, अभिनव ने 94.8 फीसदी के साथ दूसरा तथा रमिना व पूजा रानी ने 91.2 फीसदी अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा संजय ने 86.4 फीसदी, गुरविंद्र सिंह ने 84.4 फीसदी, मुस्कान ने 80.4 फीसदी, किरण बाला ने 76.6 फीसदी अंक प्राप्त कर मेरिट में स्थान पाया।

दिनदहाड़े बाइक सवार से दस हजार रुपये लूटे

सिरसा। डबवाली में दिनदहाड़े लूट की वारदात सामने आई है। बठिंडा निवासी एक युवक से बाइक सवार दो बदमाशों ने मारपीट कर 10 हजार रुपए छीन लिए और फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित युवक की शिकायत पर मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पीड़ित योगेश बठिंडा का रहने वाला है। वह अपनी बहन सोनिया से मिलने डबवाली आया था, जो रेलवे कॉलोनी क्षेत्र में रहती है। योगेश शनिवार सुबह करीब 10.40 बजे रेलवे स्टेशन से पैदल ही अपनी बहन के घर जा रहा था। रास्ते में एक शराब ठेके के पास बाइक सवार दो युवकों ने उसे घेर लिया। आरोप है कि बदमाशों ने योगेश के साथ मारपीट की और उसकी जेब से 10 हजार रुपए छीनकर फरार हो गए।

गोकुल को सम्मानित करेगी महासभाः शर्मा

सिरसा। भिवानी बोर्ड द्वारा घोषित 10वीं के परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन करने वाले दाधीच ब्राह्मण समाज के होनहार गोकुल शर्मा को त्यागमूर्ति श्री महर्षि दाधीच ब्राह्मण महासभा रजि. सिरसा द्वारा प्रोत्साहन के तौर पर सम्मानित किया जाएगा। महासभा के जिला प्रधान रघुवीर शर्मा ने बताया कि 10वीं के घोषित भिवानी बोर्ड के परिणाम में गोकुल शर्मा ने 83.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अभिभावकों व समाज का नाम रोशन किया। उन्होंने बताया कि होनहार गोकुल शर्मा को महासभा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष दाहिमा द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ-साथ उसके अभिभावकों को भी सम्मानित किया जाएगा।

उच्च शिक्षा के लिए दी जा रही वित्तीय मदद

सिरसा। हरियाणा सरकार द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों की तीसरी पीढ़ी, यानी उनके पोते-पोतियों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संबल प्रदान करने के लिए योजना क्रियांवित की जा रही है। योजना का मुख्य उद्देश्य उन परिवारों के युवाओं को वित्तीय सहायता देना है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया। इसके तहत, पात्र छात्रों को प्रति माह एक हजार रूपये की राशि वजीफे के रूप में 12 महीनों के लिए प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, पुस्तकों और अन्य शिक्षण सामग्री के लिए दो हजार रूपये का वार्षिक भत्ता भी अलग से दिया जाता है। यह पूरी राशि सीधे छात्र के बैंक खाते में इलेक्ट्रॉनिक ट्रांजैक्शन के माध्यम से भेजी जाती है।

गुरुद्वारा में नाम सिमरन समारोह की हुई शुरुआत

रतिया। गुरुद्वारा श्री गुरू ग्रंथ साहिब अंगीठा साहिब नथवान में सचखंडवासी बाबा नरेंद्र सिंह की बरसी मौके 2 दिवसीय नाम सिमरन समारोह की शुरुआत की गई। इस मौके पर गुरजीत सिंह आस्ट्रेलिया वालो ने लाईव प्रसारण के माध्यम से संगत को नाम सिमरन से जोडक़र निहाल किया। इस मौके पर जानकारी देते हुए सेवादारों ने बताया शनिवार सुबह गुरजीत सिंह ने संगत को पहले सेशन में सुबह 11 बजे से 1 बजे तक गुरमत विचारों व नाम सिमरन से जोडक़र निहाल किया व इसके पश्चात दूसरे सेशन में रूपिंद्र सिंह लुधियाना वालो ने संगत को गुरमत विचारों से जोडक़र निहाल किया। इस मौके पर हरियाणा, पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों से संगत शामिल हुई।

सरकार पर वादाखिलाफी का लगाया आरोप, 9700 पद खाली होने का दावा

ग्रामीण सफाई कर्मियों की हड़ताल तेज, 20 मई तक बढ़ाया आंदोलन

- कर्मचारी नेता बेगराज ने हरियाणा सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

अपनी मांगों को लेकर ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की हड़ताल शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रही। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन, सीटू के बैनर तले एकजुट हुए कर्मचारियों ने लघु सचिवालय फतेहाबाद में इकट्ठा होकर हरियाणा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और रोष प्रकट किया। कर्मचारी नेताओं ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि समय रहते सरकार ने ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं किया, तो इस आंदोलन को आगे भी जारी रखा जाएगा और पूरे प्रदेश में इसे और तेज किया जाएगा। इस विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला प्रधान सुनील कुमार ने की, जबकि मंच का संचालन जिला सचिव हरपाल सिंह द्वारा किया गया। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने 20 मई तक हड़ताल बढ़ा दी है।

धरने को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेता बेगराज ने हरियाणा सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मौजूदा भाजपा सरकार एक तरफ तो अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति के उत्थान की बात करती है, लेकिन दूसरी तरफ केवल बड़े पूंजीपतियों और ठेकेदारों की सेवा में लगी है। लेबर कोड्स को लागू करना इसी शोषणकारी कड़ी का हिस्सा है।

उन्होंने सरकार पर सफाई कर्मियों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि शहरी और ग्रामीण सफाई कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं, लेकिन सरकार उनकी आवाज को लगातार अनसुना कर रही है। वक्ताओं ने सरकार की कथित दलित और कर्मचारी हितैषी छवि पर सवाल उठाते हुए कहा कि मार्च 2024 के बजट सत्र में 1000 की आबादी पर एक ग्रामीण सफाई कर्मचारी की भर्ती करने की घोषणा की गई थी, जिसे आज तक लागू नहीं किया गया। इसके कारण ग्रामीण सफाई कर्मियों के करीब 9,700 पद खाली पड़े हैं। इसके अलावा 24 नवंबर 2024 को मुख्यमंत्री द्वारा घोषित 26,000 रुपये वेतन और 11 जून 2025 को की गई 2,100 रुपये की बढ़ोतरी की घोषणा को भी धरातल पर नहीं उतारा गया है। 8 दिसंबर की वार्ता के अनुसार पक्का करने की पॉलिसी बनाने का वादा भी अधूरा है।

फतेहाबाद। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के धरने को संबोधित करते कर्मचारी नेता बेगराज। फोटो : हरिभूमि

इन्होंने दिया समर्थन

प्रदर्शन को नगरपालिका कर्मचारी संघ के राज्य उपप्रधान रमेश तुषामड, इकाई प्रधान नरेश राणा, ओमप्रकाश लोट, सीटू के जिला कन्वीनर ओमप्रकाश अनेजा, सर्व कर्मचारी संघ के जिला नेता सुरजीत सिंह दुसाद, मजदूर यूनियन कांग्रेस के प्रधान डॉ. रामेश्वर दास, शम्मी रती, मदन सिंह, गगनदीप कौर, गुरदास, दर्शन सिंह, हरपाल सिंह, अनिल कुमार, जगदीश चंद्र, रविंद्र कुमार, राम भगत और पवन कुमार सहित अनेक श्रमिक नेताओं ने संबोधित किया और कर्मचारियों के संघर्ष को अपना पूर्ण समर्थन दिया।

फतेहाबाद। गांव नाढोडी में लगाया गया नशामुक्ति शिविर। फोटो : हरिभूमि

गांव नाढोडी में नशा मुक्ति शिविर

34 ने उठाया काउंसलिंग और उपचार का लाभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

जिले में चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद द्वारा शनिवार को गांव नाढोडी में विशेष नशा मुक्ति शिविर का आयोजन किया गया। एसआई सुंदर के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य नशे की दलदल में फंसे लोगों को उचित उपचार, काउंसिलिंग और सही मार्गदर्शन देकर समाज की मुख्यधारा में वापस लाना है। इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग और आयुष विभाग की टीमों ने संयुक्त रूप से हिस्सा लेकर पीड़ितों की जांच की और उन्हें जरूरी दवाइयां मुहैया कराई। शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग से डॉ. सुशील कुमार के नेतृत्व में पहुंची टीम ने नशा पीड़ितों की गहन काउंसलिंग की। इसके साथ ही डॉक्टरों ने मरीजों के खून की जांच कर उन्हें आवश्यक एलोपैथिक दवाइयां वितरित कीं। वहीं, आयुष विभाग की ओर से पहुंचे डॉ. अजीत सिंह ने पीड़ितों की काउंसिलिंग करते हुए आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक पद्धति से उनका इलाज शुरू किया। शिविर में डॉक्टरों और नशा मुक्ति टीम के सदस्यों ने ग्रामीणों को नशे से शरीर, परिवार और समाज पर पडऩे वाले घातक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और इससे दूर रहने के उपाय बताए। इस नशा मुक्ति शिविर में कुल 34 पीड़ितों ने पहुंचकर अपनी जांच करवाई और उपचार का लाभ लिया। इनमें 18 ऐसे पीड़ित थे जो पहली बार टीम के सामने आए।

पेट्रो पदार्थों के बढ़ाए दामों पर भड़की महिला कांग्रेस

सिरसा। केंद्र सरकार की ओर से पेट्रोल, डीजल के दामों में वृद्धि किए जाने के खिलाफ जिला महिला कांग्रेस की ओर से प्रदर्शन कर सरकार से इस निर्णय को वापिस लेने की मांग की है। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लांबा व प्रदेशाध्यक्ष पर्ल चौधरी के निर्देशानुसार जिला महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष कृष्णा फौगाट के नेतृत्व में महिला कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और केंद्र सरकार से इसे अविलंब वापिस लेने की मांग की। महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष कृष्णा फौगाट ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के विभिन्न प्रदेशों के चुनाव संपन्न होते ही देशवासियों पर तेल के रेट बढ़ाकर लोगों की कमर तोडने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में बढ़ी महंगाई से आमजन का जीना दुश्वार हो गया है। कृष्णा फौगाट ने कहा कि भाजपा शासन में आज भय, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी व महंगाई का बोलबाला है जिसे सरकार निरंतर बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि पहले से ही महंगाई की मार झेल रही आम जनता का भरोसा अब भाजपा से पूरी तरह से उठ चुका है। इस प्रदर्शन में कृष्णा भांभू, शकुंतला न्यौल, पिंकी गुप्ता, पूजा न्यौल, सावित्री ढाका, शालिनी ढाका, प्रभजोत, प्रियंका झोरड़ व प्रियंका आदि महिला कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल थी।

सिरसा। पेट्रो पदार्थों में वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए महिला कांग्रेस कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

सिरसा। शनि अमावस्या पर हवन यज्ञ करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

धूमधाम से मनाया शनि जयंती महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

प्राचीन श्री शनि धाम में शनि जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सुबह सवेरे ही शनि भक्तों की कतारे लगनी शुरू हो गई। शनि जयंती महोत्सव को लेकर मंदिर को भव्य तरीके से सजाया गया था। शनि जयंती के अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा शनि की 225 वर्ष पुरानी हाथी पर सवार प्रतिमा की पूजा की गई। इसके पश्चात भाव शनि शीला पर तेल अर्पित किया गया। शनि जी के नौ स्वरूप व नवग्रह दरबार में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सुनिश्चित्रिया अमावस पर यह अद्भुत नजारा शनिदेव जी की शक्ति स्थल शिंगनापुर व शनिचरा का सा प्रतीत हो रहा था। मंदिर प्रांगण में प्रातः हवन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने विधि विधान से न्यायाधीश भगवान श्री शनिदेव का हवन किया और विश्व के मंगल की कामना की। पंडित डीडी दीक्षित द्वारा मंत्र उच्चारण के साथ हवन यज्ञ करवाया गया। इसके पश्चात शनि का पूजन किया गया और तेल स्नान का शुभारंभ किया गया। श्रद्धालुओं द्वारा भगवान शनिदेव को हलवा-चने का प्रसाद अर्पित किया गया। इस अवसर पर नगर के अनेक गणमान्य लोगों ने भगवान शनिदेव की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की।

डेंगू दिवस पर ओढ़ा में निकाली जागरूकता रैली

ओढां। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ओढ़ा में राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। डॉ. सीता राम चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि भारत में प्रति वर्ष 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य डेंगू के संक्रमण, इसके कारणों और बचाव के उपायों के बारे मे जागरूकता फैलाना है, ताकि मानसून शुरू होने से पहले ही मच्छरों के प्रजनन को रोका जा सके। डेंगू एक वायरल संक्रमण है जो मुख्य रूप से मादा एडीज इजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है। इस अवसर पर हेल्थ इंस्पेक्टर जितेंद्र सिंह ने डेंगू दिवस की जानकारी देते हुए बताया कि इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य देश-दुनिया से डेंगू को पूरी तरह से खत्म करना है। इसलिए हर साल 16 मई को दुनिया भर में डेंगू दिवस मनाया जाता है। जिससे कि मच्छरों से होने वाली बीमारी से राहत पाई जा सके और डेंगू से होने वाली मौतों की संख्या को घटाया जा सके। उन्होंने डेंगू के लक्षण बारे बताया कि शरीर पर लाल चकत्ते होने के साथ ही नाक से खून आना, तेज बुखार का होना, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द होना, उल्टी के साथ कमजोरी महसूस होना, सिरदर्द और थकान, ज्यादा पसीना आना, कम भूख लगना आदि हैं। कृष्णा देवी नर्सिंग ऑफिसर ने डेंगू के बचाव बारे बताया कि पूरी बाजू के वस्त्र पहने, मच्छर रोधी दवा या क्रीम का उपयोग करें और बुखार होने पर डॉक्टर की सलाह अवश्य लेनी चाहिए।

ओढ़ा। राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर जागरूकता रैली निकालते हुए।

न्यूज डायरी

हरियाणा ग्रामीण बैंक बड़ोपल शाखा में मिलन समारोह

फतेहाबाद। हरियाणा ग्रामीण बैंक, बड़ोपल शाखा में ग्राहक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, किसानों तथा बैंक के अन्य ऋण ग्राहकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान शाखा प्रबंधक तरसेम चित्रा एवं प्रबंधक सुरेंद्र कुलडिया ने क्षेत्रीय प्रबंधक बुद्धिराज सिंह, एलडीएम फतेहाबाद लहरी मल तथा नाबार्ड के डीडीएम करण अरोड़ा का स्वागत किया। एफएलसी से दरिया सिंह भी मौजूद रहे। मैनेजर सुमित दलाल ने उपस्थित लोगों को बैंक की विभिन्न ऋण योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से ट्रैक्टर लोन योजना, एआईएफ योजना, ट्रांसपोर्ट योजना, कार लोन योजना तथा अन्य कृषि ऋण योजनाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम के दौरान स्वराज एजेंसी द्वारा ट्रैक्टरों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिससे ट्रैक्टर लोन योजना को बढ़ावा दिया जा सके।

छात्राओं ने सीखे तनावमुक्त रहने के गुर

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के गल्र्स हॉस्टल में छात्राओं के व्यक्तित्व विकास, मानसिक सशक्तिकरण एवं जीवन कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रेरणादायक संवाद सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीडीएलयू के सेंटर फॉर लाइफ स्किल्स की निदेशक प्रो. प्रियंका सिवाच ने छात्राओं के साथ द्वितीय संवादात्मक सत्र में सहभागिता की और उन्हें जीवन में बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। गल्र्स हॉस्टल की चीफ वार्डन प्रो. रणजीत कौर ने बताया कि सत्र के दौरान छात्राओं ने प्रोफेसर प्रियंका सिवाच से जीवन कौशल, भविष्य की योजनाओं, करियर संबंधी चुनौतियों, आत्मविश्वास तथा व्यक्तिगत विकास से जुड़े विषयों पर खुलकर चर्चा की। यह एक प्रभावशाली दो-तरफा संवाद सत्र रहा, जहां छात्राओं ने बिना किसी संकोच के अपनी जिज्ञासाएं एवं चिंताएं साझा कीं। प्रो. प्रियंका सिवाच के प्रथम सत्र से प्रेरित होकर छात्राओं ने इस बार और अधिक आत्मीयता के साथ अपने प्रश्न रखे, जिनका समाधान उन्होंने सरल, व्यावहारिक एवं सकारात्मक दृष्टिकोण से किया। प्रोफेसर प्रियंका सिवाच ने छात्राओं को जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना धैर्य, आत्मबल और सही सोच के साथ करने के लिए प्रेरित किया।

मोटरसाइकिल चोरी का आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक युवक को चोरीशुदा बाइक सहित गिरफ्तार किया है। बस स्टैंड पुलिस चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर रण सिंह ने बताया कि कोर्ट कॉलोनी सिरसा निवासी सुखवीर ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि बीती 12 मई को उसने अपनी बाइक घर के बाहर खड़ी की थी। कुछ समय बाद जब वह घर से बाहर आया तो उसकी बाइक वहां से गायब मिली। शिकायत के आधार पर थाना सिविल लाइन सिरसा में बाइक चोरी का मामला दर्जकर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी छिंदा निवासी गांव सिकंदरपुर जिला सिरसा को दिल्ली पुलिया क्षेत्र से चोरीशुदा बाइक सहित काबू कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशा करने का आदी है तथा नशे की पूर्ति के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देता है।

94 प्रतिशत अंक के साथ कोमल रही अव्वल

फतेहाबाद। गांव मानावाली स्थित राजकीय उच्च विद्यालय मानावाली का दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम इस वर्ष शत-प्रतिशत रहा। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल बन गया। विद्यार्थियों की शानदार सफलता पर अध्यापकों, अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों ने विद्यालय पहुंचकर स्टाफ और छात्रों को बधाई दी। मुख्याध्यापिका पुनीता रानी ने बताया कि छात्रा कोमल ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में पहला स्थान हासिल किया। वहीं रेखा ने 89 प्रतिशत अंक लेकर दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि प्रिन्स ने 87 प्रतिशत अंक हासिल कर तीसरा स्थान पाया। उन्होंने बताया कि विद्यालय के कुल सात विद्यार्थियों ने बोर्ड मेरिट सूची में स्थान बनाया, जबकि 13 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण कर स्कूल का नाम रोशन किया। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यार्थियों की इस उपलब्धि को लेकर गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा।

युवक से मारपीट मामले में एक और काबू

फतेहाबाद। बेजुबान जानवरों के प्रति क्रूरता का विरोध करने पर एक युवक का अपहरण कर उसके साथ बेरहमी से मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने और जबरन गलत काम करने के मामले में थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने एक ओर युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान संजय उर्फ खाली निवासी हरनाम सिंह कॉलोनी, फतेहाबाद के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में एक मुख्य आरोपी दीपक कुमार को पहले ही सलाखों के पीछे भेज चुकी है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा ने बताया कि पीड़ित युवक ने पुलिस को दी शिकायत में कहा था कि वह पशुओं, खासकर कुत्तों से बेहद लगाव रखता है। शिकायतकर्ता पशु प्रेम के नाते जरनैल सिंह भुल्लर को समझाने और बेजुबान जानवरों के साथ अच्छा व्यवहार करने की नसीहत देने उसके पास गया था। इसी बात से गुस्साए आरोपी पक्ष के लोगों ने युवक को जबरन अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाया और उसका अपहरण कर ऑटो मार्केट ले गए। वहां आरोपियों ने उसे बुरी तरह धमकाया, उसके साथ मारपीट की।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी

सिरसा। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शांतनु शर्मा ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा चंडीगढ़ तथा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया जाएगा। इसके तहत मतदाता सूचियों को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए विभिन्न चरणों में कार्य संपन्न होगा। उन्होंने बताया कि एक जुलाई को अर्हता तिथि मानते हुए पुनरीक्षण कार्यक्रम लागू किया जाएगा। कार्यक्रम के अनुसार 5 जून से 14 जून तक प्रशिक्षण एवं सामग्री की तैयारी तथा प्रिंटिंग का कार्य किया जाएगा। इसके बाद 15 जून से 14 जुलाई तक बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। 14 जुलाई तक मतदान केंद्रों का युक्तिकरण पूरा किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 21 जुलाई को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया जाएगा। इसके पश्चात 21 जुलाई से 20 अगस्त तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी, जबकि 21 जुलाई से 18 सितंबर तक इन दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 22 सितंबर को किया जाएगा।

- 15 जून से 14 जुलाई तक बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा

लिंगानुपात में सुधार का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

गांव वैदवाला मे लिंगानुपात में सुधार के लिए मीटिंग हुई। बैठक में आयुष मेडिकल ऑफिसर, एलएचवी सरिता रानी, गांव के सरपंच दीप सिंह, पंचायत मैंबर, आरएमपी डॉक्टर, आयुष्मान आरोग्य मंदिर वैदवाला का समस्त स्टाफ, सभी आंगनवाड़ी वर्कर्स तथा स्कूल स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

मीटिंग में उपस्थित सभी सदस्यों ने लिंगानुपात में सुधार के लिए अपने-अपने सुझाव दिए और संकल्प लिया कि वे लिंगानुपात में सिरसा को फिर से नंबर वन बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। वहीं ग्राम सरपंच ने भी आश्वासन दिया कि अगर कोई व्यक्ति लिंग जांच करवाता पाया गया तो उसके खिलाफ तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करवाई जाएगी।

सिरसा। लिंगानुपात सुधार को लेकर बैठक करते। फोटो : हरिभूमि

एपेक्स कॉन्वेंट में रंगों और मस्ती की बारिश, 'रेनबो रेन पार्टी' में झूमे नन्हे बच्चे

पानी की फुहारें और बच्चों की किलकारियों से गूंजा विद्यालय

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

एपेक्स कॉन्वेंट विद्यालय में शनिवार को नन्हे विद्यार्थियों के लिए आयोजित रेनबो रेन पार्टी आकर्षण का केंद्र रही। कक्षा एक से तीन तक के बच्चों के लिए आयोजित इस विशेष कार्यक्रम ने विद्यालय परिसर को रंगों, मस्ती और बाल उल्लास से सराबोर कर दिया। इंद्रधनुषी थीम पर आधारित इस आयोजन में बच्चों ने पानी की फुहारों के बीच खेलते, झूमते और नाचते हुए दिनभर का भरपूर आनंद उठाया। हर ओर रंगों की छटा और बच्चों की हंसी-खुशी ने ऐसा माहौल बना दिया मानो परिसर में उत्सव उतर आया हो। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के लिए विशेष जल-विहार की व्यवस्था की गई। रंगीन फुहारों और खेल गतिविधियों के बीच बच्चों ने मस्ती से भरपूर पल बिताए। उनकी किलकारियों से पूरा विद्यालय गूंज उठा। शिक्षकों ने भी बच्चों के साथ सहभागिता कर आयोजन को और अधिक जीवंत बना दिया। बच्चों ने नृत्य, खेल और पानी के बीच आनंद लेते हुए यादगार क्षण संजोए।

तेज गर्मी को देखते हुए विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों के लिए शीतल नींबू-पेय की भी व्यवस्था की। बच्चों ने खेल गतिविधियों के बीच ठंडे पेय का आनंद लिया। इससे कार्यक्रम में ताजगी और उत्साह और बढ़ गया। अभिभावकों ने भी विद्यालय की इस पहल की सराहना की। अमित मक्कड़ ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार के आयोजन बेहद जरूरी हैं। खेल और आनंद से जुड़ी गतिविधियां बच्चों के मानसिक व सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मोहित अनेजा ने कहा कि विद्यालय केवल शैक्षणिक शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के भावनात्मक और सामाजिक विकास के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, सहयोग और खुशी का भाव विकसित करते हैं। कुल मिलाकर रेनबो रेन पार्टी नन्हे विद्यार्थियों के लिए मस्ती, ताजगी और रंगों से भरा एक यादगार अनुभव बन गई, जिसे बच्चे लंबे समय तक याद रखेंगे।

फतेहाबाद। एपेक्स स्कूल में रेन पार्टी में मस्ती करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

सीएमके के दो विद्यार्थियों ने लहराया परचम

सिरसा। सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर कॉलेज के विद्यार्थियों ने निरंतर चौधरी देवीलाल विवि द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम की मेरिट सूची में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय व दशम स्थान प्राप्त किया है। बीए द्वितीय वर्ष के घोषित परीक्षा परिणाम में महाविद्यालय के अभय सिंह ढुकिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वाणिज्य सकांय बीकॉम तृतीय वर्ष की भूमि ने दशम स्थान प्राप्त किया। प्राचार्या अंशु उप्पल ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यदि संकल्प अर्जुन की भांति हो तो उत्तम परिणाम प्राप्त होते हैं।

पेंशनर्स के लिए लागू हो कैशलेस मेडिकल सुविधा

सिरसा। हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज की प्रदेश स्तरीय बैठक सिरसा में हुई। इस बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी के सभी सदस्य के साथ जींद, हिसार, फरीदाबाद, रोहतक, पानीपत, सहित विभिन्न जिलों की कार्यकारिणी ने भाग लिया। प्रदेश उप प्रधान गुरदीप सिंह सैनी व जिला अध्यक्ष राजेंद्र मोहन गुप्ता ने बताया कि इस मासिक बैठक में पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया। पेंशनर समाज सिरसा की तरफ से सभी प्रदेश कार्यकारिणी व दूसरे जिलों से आए सभी पदाधिकारी को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

ताला तोडक़र चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। घर का ताला तोड़कर चोरी के मामले में थाना सदर रतिया पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पुलिस ने चोरी किए गए दो मोबाइल फोन और 9500 रुपये की नगदी बरामद कर ली है। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि शिकायतकर्ता सुखविन्द्र कौर निवासी हड़ौली ने पुलिस को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि 12 मई को वह सुबह घर का ताला बंद कर स्कूल ड्यूटी पर गई थी। दोपहर करीब सवा तीन बजे घर लौटी, तो देखा कि कमरों के ताले टूटे हुए थे।

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा मामले में एक और काबू

रतिया। ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शहर रतिया पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान राहुल उर्फ राहुल रैना निवासी टिब्बा कॉलोनी, रतिया के रूप में हुई है। गौरतलब है कि इस हाईप्रोफाइल सट्टा गिरोह में पुलिस तीन आरोपियों को पहले ही दबोच चुकी है। इस मामले और नेटवर्क के खुलासा करते हुए थाना शहर रतिया प्रभारी महिला निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि अपराध जांच शाखा रतिया की टीम को एक गुप्त सूचना मिली थी।

पुलिस ने हेरोइन सहित युवक को दबोचा

सिरसा। हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की फतेहाबाद यूनिट ने गांव पतली डाबर डिंग के समीप एक युवक को 8.43 ग्राम हेरोइन के साथ काबू किया है। प्रभारी एसआई तरसेम सिंह ने बताया कि टीम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति फतेहाबाद-सिरसा रोड मदान ढाबा पतली डाबर के पास हेरोइन बेचने के लिए खड़ा है। तुरंत टीम ने आरोपी को काबू कर लिया। आरोपी के पास से 8.43 ग्राम हेरोइन, 200 रुपये ड्रग मनी और एक मोबाइल बरामद हुआ। उसकी पहचान विजय कुमार उर्फ पप्पू निवासी भावदीन जिला सिरसा के रूप में हुई।

वेक्टर डेंसिटी घटी, पिछले वर्षों के मुकाबले डेंगू के मामलों में कमी

जागरूकता से मच्छरों की ब्रीडिंग घटी इस साल अब तक सिर्फ एक ही केस

फ्रिज की ट्रे और कूलर में पानी जमा नहीं होने दे रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद जिले में डेंगू का खतरा इस बार काफी हद तक कम होता नजर आ रहा है। लोगों की बढ़ी जागरूकता और नियमित साफ-सफाई के कारण डेंगू फैलाने वाले मच्छरों की ब्रीडिंग लगभग समाप्त हो गई है। इसका असर मरीजों की संख्या पर भी साफ दिख रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस वर्ष अब तक जिले में डेंगू का एक ही मामला सामने आया है, जबकि पिछले वर्षों में यह बीमारी मानसून के दौरान बड़ी चिंता बनती रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि अब लोग पहले की तुलना में अधिक सजग हो गए हैं। घरों में फ्रिज की ट्रे, कूलर, गमले, टायर और अन्य स्थानों पर पानी जमा नहीं होने दिया जा रहा। सप्ताह में एक दिन इन जगहों की सफाई और पानी खाली करने की आदत ने डेंगू मच्छरों की ब्रीडिंग रोकने में बड़ी भूमिका निभाई है।

फतेहाबाद। राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियो को संबोधित करते अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

एपेक्स व एमएम कॉलेज में जागरूकता कैंप

राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग ने सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को डेंगू और चिकनगुनिया से बचाव के उपाय बताए गए। स्कूलों में पोस्टर प्रतियोगिता, जागरूकता रैली और संवाद कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों के माध्यम से आमजन तक संदेश पहुंचाया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने जिले के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में जाकर विद्यार्थियों को मच्छरजनित बीमारियों के प्रति जागरूक किया। एपेक्स कॉन्वेंट स्कूल, मनोहर मेमोरियल कॉलेज सहित कई शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्रों ने पोस्टर बनाकर डेंगू से बचाव के संदेश दिए, जबकि जागरूकता रैली निकालकर लोगों से घरों और आसपास साफ-सफाई रखने की अपील की। डॉ. बुधराम ने बताया कि डेंगू एक गंभीर बीमारी है और इसकी रोकथाम के लिए सतर्कता बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि घरों में कूलर, पानी की टंकियों, गमलों, पुराने टायरों और अन्य स्थानों पर जमा पानी मच्छरों की उत्पत्ति का मुख्य कारण बनता है। ऐसे स्थानों की नियमित सफाई और हर सप्ताह पानी बदलने से डेंगू के खतरे को काफी हद तक रोका जा सकता है। डॉ. नीरज ने बताया कि विभागीय रिकॉर्ड के अनुसार इस वर्ष 2026 में अब तक केवल एक डेंगू का मामला सामने आया है, जो फरवरी माह में दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि समय पर जागरूकता और सावधानी के कारण इस बार स्थिति नियंत्रण में है।

जून से घर-घर अभियान

स्वास्थ्य विभाग जून महीने से विशेष अभियान शुरू करने जा रहा है। इसके तहत ब्रीडिंग चेकर घर-घर जाकर मच्छरों के लारवा की जांच करेंगे। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर 'ड्राई-डे' अभियान भी चलाया जाएगा। लोगों से अपील की जाएगी कि सप्ताह में कम से कम एक दिन घर के सभी पानी जमा करने वाले बर्तनों को पूरी तरह खाली और सूखा रखें।

पिछले वर्षों के डेंगू केस

- वर्ष 2015 : 189 केस
- वर्ष 2016 : 38 केस
- वर्ष 2017 : 419 केस
- वर्ष 2018 : 56 केस
- वर्ष 2019 : 29 केस
- वर्ष 2020 : 35 केस
- वर्ष 2021 : 993 केस
- वर्ष 2022 : 162 केस
- वर्ष 2023 : 90 केस
- वर्ष 2024 : 129 केस
- वर्ष 2025 : 13 केस
- वर्ष 2026 : 1 केस (अब तक)

ऐसे घटे डेंगू के मामले

- लोग फ्रिज की ट्रे नियमित साफ कर रहे
- कूलर का पानी सप्ताह में एक बार बदला जा रहा
- गमले, टायर व बर्तनों में पानी जमा नहीं होने दिया
- रुक-रुककर बारिश से जलभराव कम रहा
- विभाग की जागरूकता मुहिम का असर

वेक्टर डेंसिटी 2 तक घटी, खतरे से नीचे पहुंचा स्तर

कीट वैज्ञानिक डॉ. मुकेश मेहला ने बताया कि जिले सहित आसपास क्षेत्र में वेक्टर डेनसिटी घटकर 2 तक पहुंच गई है। सामान्य तौर पर 4 से अधिक वेक्टर डेनसिटी को डेंगू फैलने के लिए जोखिमपूर्ण माना जाता है। इसका अर्थ है कि यदि किसी क्षेत्र में मच्छरों की संख्या 4 से ऊपर हो जाए तो संक्रमण तेजी से फैल सकता है।

रूपावास स्कूल ने बोर्ड परीक्षा में रचा इतिहास

चोपटा। परीक्षा में अव्वल रहे विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

- विद्यालय के 65 बच्चों ने मेरिट में बनाई जगह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

खंड नाथूसरी चौपटा के पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रूपावास के विद्यार्थियों ने हरियाणा शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा 10वीं व 12वीं के वार्षिक परीक्षा परिणाम में हर साल की भांति इस बार भी शानदार प्रदर्शन किया है और कुल 65 मैरिट के साथ रूपावास स्कूल खंड के सभी सरकारी स्कूलों में प्रथम स्थान पर रहा है।

सत्र 2025-26 में कक्षा 12वीं विज्ञान संकाय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है, जिसमें 33 विद्यार्थियों में से 16 विद्यार्थियों ने मेरिट हासिल की है और 5 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। विज्ञान संकाय की छात्रा दिव्या और संजना ने 472 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से विद्यालय में प्रथम व खंड स्तर पर दूसरा स्थान हासिल किया है। 464 अंकों के साथ दीक्षा विद्यालय में दूसरे व 454 अंकों के साथ निधि विद्यालय में तीसरे स्थान पर रही है। कला संकाय में 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम 27 मेरिट के सराहनीय रहा है। गगनदीप 477 अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम व खंड में तीसरे स्थान पर, ममता 476 अंको के साथ विद्यालय में दूसरे स्थान पर तथा तोशिका 472 अंकों के साथ विद्यालय में तीसरे स्थान पर रही हैं। कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 22 मैरिट के साथ 95 प्रतिशत रहा, जिसमें स्नेहा 485 अंक लेकर विद्यालय में प्रथम व खंड में दूसरे स्थान पर, रितिका 481 अंक लेकर विद्यालय में दूसरे व खंड में तीसरे स्थान पर और प्रेरणा 471 अंक लेकर विद्यालय में तीसरे स्थान पर रही हैं। इसके अलावा 12वीं कक्षा में 23 व 10वीं कक्षा में 7 विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों मे 100 में से 100 अंक हासिल करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

स्टाफ सदस्यों व विद्यार्थियों को बधाई दी

इस शानदार परीक्षा परिणाम के लिए विद्यालय के प्राचार्य कमलजीत सिंह ने सभी स्टाफ सदस्यों व विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्य भी मौजूद थे।

पक्षियों के लिए पानी रखना पुण्य का कार्य

- भाजपा ओबीसी मोर्चा ने कार्यालय में मिट्टी के बर्तन में रखवाया पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

चिलचिलाती धूप और लगातार बढ़ रहे तापमान के बीच मूक पक्षियों को राहत देने के लिए भाजपा ओबीसी मोर्चा द्वारा भाजपा जिला कार्यालय में पक्षियों के लिए मिट्टी के बर्तन लगाए गए, ताकि इस भीषण गर्मी में उन्हें पीने का ठंडा पानी मिल सके। इस सेवा अभियान का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष बलदेव सैनी ने की। जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि गर्मी के इस मौसम में बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना सबसे बड़ा मानव धर्म और पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार इंसानों को इस तपती गर्मी में बार-बार पानी की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार पक्षियों को भी अपना जीवन बचाने के लिए पानी की जरूरत पड़ती है। प्रवीण जोड़ा ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपने घरों की छतों, दुकानों, बालकनी और सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी के पात्र अवश्य रखें। हमारे ये छोटे-छोटे प्रयास समाज में संवेदनशीलता और सेवा भावना को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने दोहराया कि भाजपा राजनीतिक कार्यों के साथ-साथ हमेशा सामाजिक और सेवा कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाती रही है। ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष बलदेव सैनी ने कहा कि बढ़ती गर्मी के कारण इन दिनों पक्षियों को पानी के लिए काफी भटकना पड़ रहा है। ऐसे समय में समाज के प्रत्येक व्यक्ति का यह दायित्व है कि वह आगे आकर इन जीव-जंतुओं की सहायता करें।

फतेहाबाद। पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करते भाजपा नेता।

भाजपा डबवाली जिलाध्यक्ष रेणु शर्मा के आवास पर पहुंचे मुख्यमंत्री सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा दौरे पर आए प्रदेश के मुख्यमंत्री भाजपा जिलाध्यक्ष डबवाली रेणु शर्मा के आवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने भाजपा जिलाध्यक्ष डबवाली रेणु शर्मा द्वारा पार्टी के प्रति समर्पित भाव से किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की और उन्हें इसी प्रकार और अधिक मेहनत से संगठन की मजबूती के लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों की शिकायतें भी सुनी और त्वरित कार्रवाई के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। सीएम ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ होते हैं। उन्होंने हाल ही में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा को खासकर पश्चिम बंगाल में मिली प्रचंड जीत पर जनता को साधुवाद दिया। सीएम ने कहा कि ये सब पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ताओं की बदौलत ही संभव हो पाया है। उन्होंने प्रदेश में हुए निकाय चुनावों में सात जिलों में भाजपा को जनता से मिले प्रचंड बहुमत पर कहा कि ये बहुमत सरकार की विकास व विश्वास को साफ दर्शाता है।

सिरसा। सीएम नायब सैनी को स्मृति चिह्न भेंट करते।

चौधरी भजनलाल का सम्मान सबसे ऊपर, विवाद का अंत होना सुखद

- सुभाष खिलेरी ने कुलदीप बिश्नोई के साथ रेखा शर्मा की भी की सराहना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भाजपा सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक परिवार है, जहां संवाद और अनुशासन सबसे ऊपर हैं। राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा द्वारा दी गई स्पष्टीकरण और वरिष्ठ नेता कुलदीप बिश्नोई द्वारा दिखाए गए बड़प्पन ने यह साबित कर दिया है कि भाजपा में हर कार्यकर्ता और नेतृत्व की सोच कितनी परिपक्व है। यह बात वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष खिलेरी ने एक ब्यान के बाद शुरू किए विवाद का सुखद निपटारे पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी भजनलाल जन-जन के नेता थे। हरियाणा के विकास में उनका योगदान अद्वितीय है और वे सभी के लिए हमेशा वंदनीय और सम्मानित रहेंगे। उनके प्रति पूरे प्रदेश और भाजपा परिवार के मन में अगाध श्रद्धा है। सुभाष खिलेरी ने कहा कि वह सांसद रेखा शर्मा की सहृदयता की सराहना करते हैं जिन्होंने मामले की गंभीरता को समझते हुए तुरंत गरिमापूर्ण रुख अपनाया। वरिष्ठ नेता कुलदीप बिश्नोई ने जिस समझदारी और विशाल हृदय का परिचय देते हुए समर्थकों से शिकायतें वापस लेने की अपील की है, वह उनकी राजनीतिक और पारिवारिक साख को दर्शाता है।

कंडम मोबाइल फोन बन रहे साइबर ठगों का हथियार: पुलिस अधीक्षक

- पुलिस की एडवाजरी : फेरीवाले, कबाड़ी या अस्थायी दुकानदार को न बेचें पुराने फोन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने साइबर ठगी से बचाने कि लिए विशेष एडवाजरी जारी की है। एडवाजरी में बताया कि देशभर में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के बीच बेहद चौंकाने वाले मामले सामने आ रहे हैं, जिसने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है । जांच एजेंसियों ने ऐसे अंतरराष्ट्रीय साइबर गिरोह का खुलासा किया है जो पुराने और खराब मोबाइल फोन के मदरबोर्ड का इस्तेमाल कर लोगों की निजी जानकारी चुराने और बैंक खातों से रकम उड़ाने का काम कर रहा था। इस मामले ने यह साफ कर दिया है कि बेकार समझे जाने वाले पुराने मोबाइल भी साइबर अपराधियों के लिए खजाना साबित हो सकते हैं। एसपी ने शनिवार को बताया कि जांच में सामने आया है कि कुछ मोबाइल दुकानदार पुराने और खराब मोबाइल फोन के मदरबोर्ड निकालकर उन्हें चीन और बांग्लादेश में सक्रिय साइबर अपराधियों को बेच रहे थे।

फेरीवाला बनकर घूमते हैं गिरोह के ठग

एसपी दीपक सहारण ने बताया कि यह गिरोह बेहद संगठित और शातिर तरीके से काम कर रहा है। गिरोह के सदस्य गांवों और शहरों की गलियों में फेरीवाले बनकर घूमते हैं। वे खासकर महिलाओं को नए बर्तन,प्लास्टिक सामान या घरेलू उपयोग की वस्तुओं का लालच देकर पुराने और खराब मोबाइल फोन ले लेते हैं। अधिकांश लोग यह सोचकर फोन दे देते थे कि खराब मोबाइल अब किसी काम का नहीं है,जबकि वास्तव में उसी मोबाइल का मदरबोर्ड साइबर अपराधियों के लिए बेहद कीमती साबित हो रहा है। जांच एजेंसियों के मुताबिक इन मोबाइल फोन को एकत्र कर बड़े शहरों में भेजा जाता था, जहां उनसे मदरबोर्ड निकालकर विदेशों में सक्रिय साइबर गिरोहों तक पहुंचाया जाता है।

कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ता मिलकर करें काम : शमशेर

फतेहाबाद। असंध विधानसभा के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता शमशेर सिंह गोगी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से जनहित की राजनीति करती आई है और उसने हमेशा आमजन की आवाज को मजबूती से उठाने का काम किया है। वह शनिवार को फतेहाबाद कांग्रेस के जिला कार्यालय में पहुंचे। यहां पहुंचने पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अरविंद शर्मा, मास्टर सतबीर, विक्की कम्बोज सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। गोगी ने स्थानीय पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की तथा कांग्रेस को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और राजनीतिक रणनीतियों को लेकर चर्चा की। शमशेर सिंह गोगी ने देश और प्रदेश की मौजूदा स्थिति पर बात करते हुए कहा कि आज महंगाई, बेरोजगारी तथा भ्रष्टाचार चरम पर है, जिससे आम आदमी का जीना मुहाल हो गया है। युवा वर्ग डिग्री हाथ में लेकर रोजगार के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है, वहीं देश का अन्नदाता किसान, मजदूर और छोटा व्यापारी भी अनेक गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है।

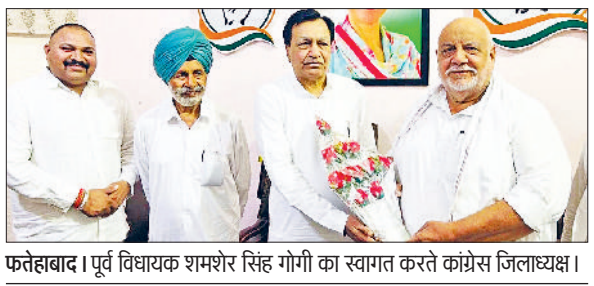

फतेहाबाद। पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी का स्वागत करते कांग्रेस जिलाध्यक्ष।

अटल टिंकरिंग लैब में शिक्षकों का प्रशिक्षण

सिरसा। जिले में चलाए जा रहे अटल टिंकरिंग लैब प्रशिक्षण शनिवार को संपन्न हो गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सिरसा एवं राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मंडी डबवाली में किया गया। दोनों केंद्रों पर 13-13 विद्यालयों से प्रत्येक विद्यालय के दो शिक्षकों एवं प्राचार्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों एवं प्राचार्यों को अटल टिंकरिंग लैब के उद्देश्य, उपयोग, नवाचार आधारित गतिविधियों, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा स्टेम शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षण पद्धतियों एवं विद्यार्थियों में नवाचार की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष फुटेला ने कहा कि विद्यार्थियों को नवाचार एवं रचनात्मक गतिविधियों से जोडऩा समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र जाखड़ एवं जिला विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. मुकेश कुमार भी मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

ग्रामीणों ने की फूलों की वर्षा, मिठाई बांटकर किया स्वागत

बोर्ड परीक्षा में मेरिट में आने वालों के सम्मान में रैली

प्रधानाचार्य ने बच्चों की सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत को दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढिंगसरा में 10वीं और 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले और मेरिट सूची में स्थान पाने वाले मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में आज एक भव्य सम्मान रैली का आयोजन किया गया। स्कूल के शानदार परीक्षा परिणाम से उत्साहित शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों ने पूरे गांव में ढोल-नगाड़ों के साथ विजय रैली निकाली। इस दौरान ग्रामीणों ने जगह-जगह पर फूलों की वर्षा कर और मिठाई बांटकर मेधावी बच्चों तथा स्कूल स्टाफ का जोरदार स्वागत किया और उनकी इस बड़ी उपलब्धि पर बधाई दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश कुमार, एसएमसी प्रधान नवीन कुमार, पवन मॉयल, रमेश नंबरदार, प्रवक्ता राजेश कुमार, चरण सिंह, अशोक कुमार, सतपाल सिंह, द्वारका प्रसाद, धर्मवीर झाझड़ा, राकेश रोशन, अनार सिंह, अनिल कुमार, सुनीता देवी, सुनीता गढ़वाल और तेजपाल सहित स्कूल स्टाफ के सभी सदस्य व गणमान्य ग्रामीण मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

फतेहाबाद। परीक्षाओं में अव्वल रहे विद्यार्थियों के सम्मान में गांव में निकाली गई रैली।

विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना

विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश कुमार ने परीक्षा परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा दसवीं का परिणाम बेहद शानदार रहा है। परीक्षा में बैठे कुल 34 विद्यार्थियों में से 8 विद्यार्थियों ने बोर्ड की मेरिट सूची में स्थान बनाकर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। दसवीं कक्षा में प्रिया ने 474 अंक लेकर स्कूल में पहला स्थान पाया है। इसके अलावा रवीना सुपुत्री अनिल ने 472 अंक, लक्ष्मी ने 423 अंक, खुशी ने 420 अंक, सवीना ने 414 अंक, माइकल ने 413 अंक और सुहाना ने 411 अंक हासिल कर मेरिट सूची में अपनी जगह बनाई है। इसके साथ ही कक्षा बारहवीं में भी छात्राओं का दबदबा रहा। बारहवीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्राओं में आरती, भारती, दीपिका, दीक्षा और सुमन शामिल रहीं, जिन्होंने बेहतरीन अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। प्रधानाचार्य और एसएमसी प्रधान ने सभी मेधावी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और इस सफलता का श्रेय बच्चों की कड़ी मेहनत व अध्यापकों के कुशल मार्गदर्शन को दिया।

किन्नरों को बधाई देने के लिए 1100 व 2100 रुपये की राशि तय

रतिया। सर्व समाज सभा की बैठक प्रधान सतपाल जिंदल की अध्यक्षता में शिरोमणि संत बाबा नामदेव धर्मशाला में हुई । बैठक में लोगों की समस्याओं के बारे में विचार किया गया । उपस्थित सदस्यों ने बताया कि शहर में किन्नरों द्वारा खुशी के मौके पर परिवारजनों से कई हजार राशि मांगने, अपशब्द बोलने, धक्का-मुक्की करने की शिकायत प्राप्त हुई। सभी ने सर्व सम्मति से फैसला लिया गया कि सभी वार्डों में प्रस्ताव पारित किए जाएं। जैसे वार्ड नंबर एक और दो में किन्नरों को बधाई देने के लिए 1100 तथा 2100 की राशि निर्धारित की गई है। उसी अनुसार प्रत्येक वार्ड में प्रस्ताव पारित करने हेतु विशेष बैठकों का आयोजन करने व वार्ड वासियों से सर्व समिति से प्रस्ताव पारित करने की अपील की।

अब जन्मेंगे मनचाहे डिजाइनर बेबी!

अब तक तो यही माना जाता रहा है कि जन्म लेने वाले बच्चे का रूप, रंग, गुण या उसकी कोई बीमारी प्रकृति ही निर्धारित करती है। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग की नई तकनीक से आने वाले समय में मनचाहे यानी कस्टमाइज्ड बेबी जन्म ले सकेंगे। क्या है यह तकनीक, क्या हो सकते हैं इसके फायदे या नुकसान, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

'नमस्कार डॉक्टर साहब! हम एक ऐसा बेबी चाहते हैं, जो हमारी जेनेटिक बीमारियों से दूर रहे। उसका आई क्यू लेवल शानदार हो, चश्मा न लगे उसको, टॉल फिगर हो, कॉम्प्लेक्शन फेयर हो।'

क्या आपने कल्पना की है कि आने वाले दौर में पैरेंट्स किसी फर्टिलिटी क्लीनिक पर जाकर डॉक्टर से कुछ ऐसा कहेंगे? यह मजाक की बात या कोरी कल्पना नहीं है। विज्ञान इतनी तरक्की कर रहा है कि निकट भविष्य में यह संभव होगा। इस तकनीक से पैदा होने वाले बच्चों को 'डिजाइनर बेबी' कहा जाएगा।

क्या है यह तकनीक

डिजाइनर बेबी ऐसा बच्चा होता है, जिसके जेनेटिक स्ट्रक्चर (आनुवंशिक संरचना) को पैदा होने से पहले ही बदल दिया जाता है। यह मुख्य रूप से 'क्रिसपर-केस नाइन' जैसी जीन एडिटिंग तकनीक के जरिए किया जाता है। इसके तहत भ्रूण से खराब जीन कतरकर होने वाले माता-पिता के पसंदीदा गुणों वाले जीन को जोड़ा जा सकता है। ये कस्टम-मेड बच्चे होंगे। वांछनीय गुणों वाले बच्चे पैदा करने यानी बनाने के लिए, होने वाले माता-पिता आईवीएफ क्लीनिक में भ्रूणों का चयन बीमारी के जोखिम के आधार पर कर रहे हैं। इस प्रक्रिया को प्री-इंप्लांटेशन जेनेटिक डायग्नोसिस कहा जाता है। मुख्य रूप से वंशानुगत बीमारियों को रोकने के लिए इसका अभ्यास किया जाता है। इसमें आईवीएफ से बनाए गए भ्रूणों की स्क्रीनिंग की जाती है और माता-पिता उस भ्रूण का चयन करते हैं, जिसे वे एक ऐसे बच्चे के लिए प्रत्यारोपित कर सकते हैं, जिसमें आनुवंशिक विकार के सबसे कम जोखिम होने की भविष्यवाणी की जाती है। इसमें एक एंब्रियो-सेलेक्शन/स्क्रीनिंग कंपनी और आईवीएफ प्रोवाइडर 8-14 दिनों तक रोजाना हार्मोन इंजेक्शन देकर कम से कम 15 अंडे निकालते हैं, जिन्हें पसंद के स्पर्म से फर्टिलाइज किया जाता है। 4-5 दिनों के बाद, एक ब्लास्टोसिस्ट बनता है। यह कोशिकाओं की एक खोखली गेंद जैसी होती है, जिसमें एक अंदरूनी द्रव्य और बाहरी परत होती है। बाहरी परत प्लेसेंटा में विकसित होती है। अंदरूनी द्रव्य भ्रूण बनता है। हर भ्रूण से निकाले गए अंशों की जेनेटिक बीमारी/क्रीमोसोमल असामान्यताओं के लिए स्क्रीनिंग की जाती है और मापे गए हर पैरामीटर के लिए पॉलीजेनिक (कई-जीन) स्कोर दिए जाते हैं। माता-पिता चुनते हैं कि कौन-सा भ्रूण इंप्लांट करना है। दुनिया के सबसे पहले डिजाइनर बेबी होने का दावा वर्ष 2018 में चीन के वैज्ञानिक हे जियानकुई ने किया था, जिन्होंने जुड़वां बच्चियों (लुलु और नाना) के जीन एडिट किए थे।

यूजेनिक्स क्या है

यूजेनिक्स एक ऐसा विचार और पद्धति है, जिसका उद्देश्य मानव आबादी की आनुवंशिक गुणवत्ता में सुधार करना है, जिसमें स्वस्थ और वांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को बढ़ावा दिया जाता है और कम वांछनीय या अवांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को रोका जाता है, जो अकसर जबरन नसबंदी और भेदभावपूर्ण प्रथाओं से जुड़ा रहा है, खासकर नाजी जर्मनी और अमेरिका में। इसे विज्ञान के रूप में खारिज कर दिया गया है।

जीन एडिटिंग के प्रभाव

जीन एडिटिंग के द्वारा डिजाइनर बेबी बनाने के कई प्लस और माइनस परिणाम हो सकते हैं।

बीमारियों से मुक्ति: इस तकनीक का असली उद्देश्य बच्चों को कैंसर, अल्जाइमर और एचआईवी जैसी वंशानुगत बीमारियों से बचाना है।

बनगे सुपर ह्यूमन: जैसे-जैसे तकनीक ज्यादा विकसित होगी भविष्य में वैज्ञानिक ऐसी कोशिश कर सकते हैं, जिससे बच्चे की मांसपेशियों की ताकत और याददाश्त को बढ़ाया जा सकेगा और वे 'सुपर ह्यूमन' बन सकें। कुछ देशों में आईवीएफ क्लीनिक पहले से ही माता-पिता को बच्चे की आंखों का रंग चुनने का विकल्प देने की दिशा में शोध कर रहे हैं। वर्तमान में यह प्रक्रिया इतनी महंगी है कि इसे केवल दुनिया के अमीर लोग ही अपना सकते हैं।

ब्लास्टोसिस्ट क्या है

ब्लास्टोसिस्ट भ्रूण के विकास का एक प्रारंभिक चरण है, जो फर्टिलाइजेशन के लगभग 5-6 दिनों बाद बनता है, जिसमें लगभग 200-300 कोशिकाएं होती हैं और इसमें दो मुख्य भाग होते हैं, आंतरिक कोशिका द्रव्यमान (जो शिशु बनेगा) और ट्रोफोब्लास्ट (जो प्लेसेंटा बनेगा)। यह वह अवस्था होती है, जब भ्रूण गर्भाशय की परत में प्रत्यारोपित होता है, खासकर आईवीएफ प्रक्रियाओं में।

चुनौतियां भी कम नहीं

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे डिजाइनर बेबी बनाने की तकनीक विकसित होने के कुछ नेगेटिव परिणाम भी भविष्य में देखने को मिल सकते हैं। यदि केवल अमीर लोग ही 'जीनियस' बच्चे पैदा कर पाएंगे, तो समाज में एक नया भेदभाव उत्पन्न हो सकता है। साथ ही जीन एडिटिंग के दीर्घकालिक प्रभाव क्या होंगे, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। एक छोटी-सी गलती बच्चे के स्वास्थ्य पर बहुत भारी पड़ सकती है। उसके जीवन की पूरी दिशा बदल सकती है।

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे बच्चे पाने के संबंध में एक सवाल यह भी है कि भ्रूणों की एक श्रंखला में से चुनाव या जीन-एडिटेड भ्रूणों के बावजूद, क्या माता-पिता को भ्रूण के गैर-चिकित्सा लक्षणों को चुनने की अनुमति दी जानी चाहिए? क्या जीन को चुनकर/बदलकर विशेषताओं को 'डिजाइन' किया जा सकता है? क्या आप अंततः अपने बच्चे के जेनेटिक कोड को अपनी मर्जी से बना सकते हैं? समाज शास्त्री कहते हैं डिजाइनर बेबी तकनीक मानव जाति के लिए एक वरदान साबित हो सकती है यदि इसका उपयोग केवल जानलेवा बीमारियों को खत्म करने के लिए किया जाए। लेकिन यदि इसे खूबसूरती और ताकत का पैमाना बनाया गया, तो यह मानवता के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है। समाज में एक नए तरह का भेदभाव और विघटन पैदा कर सकता है। कई समाजशास्त्री चिंतकों का मानना है कि जीवन के साथ इस तरह का बदलाव करना प्रकृति के नियमों का उल्लंघन होगा। कुछ वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि आधुनिक जेनेटिक स्क्रीनिंग और काउंसलिंग का इस्तेमाल माता-पिता पर दबाव बनाने के लिए किया जा सकता है। अगर समाज कुछ खास लक्षणों को बढ़ावा देता है, तो प्रजनन का चुनाव सामाजिक दबाव बन जाता है। व्यवहार, बुद्धिमत्ता या व्यक्तित्व जैसी चीजों के लिए भ्रूण की स्क्रीनिंग करना, पूर्व में सामने आए यूजेनिक्स पद्धति जैसा होगा, जिसमें यह कंट्रोल करने की कोशिश की गई थी कि किसे पैदा होने की इजाजत है।

कहने का सार है कि आने वाले समय में जीन एडिटिंग से डिजाइनर बेबी के जन्म लेने का चलन बढ़ सकता है। लेकिन इसके परिणाम कितने सकारात्मक या नकारात्मक होंगे, यह तो भविष्य में ही पता चलेगा। *

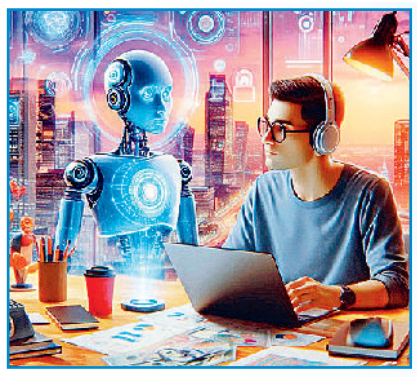

जिस तेजी से तकनीक का दखल बढ़ता जा रहा है, हमारी जीवनशैली आने वाले समय में पूरी तरह बदल जाएगी। आने वाले दिनों में यंगस्टर्स को हाई इनकम वाली कई ऐसी जॉब्स मिलेंगी, जो पूरी तरह हाईटेक होंगी। इनमें से कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स पर एक नजर।

यंगस्टर्स को लुभाएंगी फ्यूचरिस्टिक जॉब्स

{ अपकमिंग ट्रेंड }

अंजू जैन

आज के दौर में यंगस्टर्स के लिए करियर की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। अब डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी ही एकमात्र 'सफल' विकल्प नहीं रह गए हैं। अगर आपमें हुनर है और आप लीक से हटकर सोचने और करने का जज्बा रखते हैं, तो आज का डिजिटल युग आपको शानदार इनकम के मौके दे सकता है। अच्छी बात यह है कि 'फ्यूचरिस्टिक' जॉब्स के लिए आपको किसी बड़े कॉलेज की भारी-भरकम फीस भरकर डिग्री पाने की जरूरत नहीं है। आपमें नई टेक्नोलॉजी सीखने की लगन होनी चाहिए। ऐसे ही कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स के बारे में आप भी जानिए, ताकि आने वाले दौर के लिए आप खुद को टेकरेडी बना सकें।

डेटा डिटेक्टिव: करियर की दुनिया में कहा जाता है कि 'डेटा नया हीरा है।' डेटा साइंटिस्ट का काम बिखरे हुए आंकड़ों से अपने लिए काम की जानकारी निकालना है। यह जॉब उन युवाओं के लिए शानदार है, जिनकी गणित और लॉजिक पर पकड़ मजबूत है। इसमें शुरुआती सैलरी ही कई पारंपरिक नौकरियों के टॉप लेवल के बराबर होती है। गूगल खुद कोर्सेरा जैसे प्लेटफॉर्म पर डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी के सर्टिफिकेशन कोर्स कराता है। साथ ही साइबेरी, साइबर सिक्योरिटी संबंधी नई तकनीकें सीखने के लिए यह दुनिया का सबसे बड़ा फ्री कम्युनिटी प्लेटफॉर्म है।

गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स: वीडियो गेम अब सिर्फ टाइम पास नहीं रहा। प्रोफेशनल गेमर्स, गेम स्ट्रीमर्स और गेम डेवलपर्स आज लाखों-करोड़ों में खेल रहे हैं। इंटरनेशनल ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट्स में प्राइज मनी अब किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप से कम नहीं होती। अगर आप इसमें अपनी जगह बनाना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर ध्यान दें। अपना खास फील्ड चुनें। ई-स्पोर्ट्स का मतलब सिर्फ गेम खेलना नहीं है। आप इनमें से अपनी रुचि के अनुसार कई क्षेत्र चुन सकते हैं, जैसे प्रोफेशनल प्लेयर यानी टूर्नामेंट में हिस्सा लेना, कंटेंट क्रिएटर या स्ट्रीमर यानी यूट्यूब या ट्विच पर गेमप्ले दिखाना, गेम एनालिस्ट/कोच यानी गेम की रणनीति समझना, मैनेजमेंट यानी टीम मैनेजर या इवेंट ऑर्गेनाइजर बनना।

आपको इसके लिए जरूरी स्किल्स सीखनी पड़ेगी। किसी एक गेम को चुनें और उसमें एक्सपर्ट बनें। इसके लिए रोजाना प्रैक्टिस और अपनी गलतियों का आकलन करना जरूरी है। इनके साथ-साथ टीम के साथ तालमेल बिठाने के लिए अच्छी बातचीत की कला सीखें। महारत पाने के लिए सबसे जरूरी है तकनीकी ज्ञान।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग: चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स के आने से अब 'प्रॉम्प्ट इंजीनियर' की भारी डिमांड हो गई है। इसमें आपको कोडिंग नहीं, बल्कि एआई से सही तरीके से काम करवाने की कला (सही निर्देश देना) आना चाहिए। बड़ी कंपनियां इसके लिए करोड़ों का पैकेज देने को तैयार हैं। इसे सीखने के लिए एंड्रयू एनजी द्वारा संचालित, चैटजीपीटी प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग फॉर डेवलपर्स एक शानदार फ्री कोर्स है। इसके अलावा लर्न प्रॉम्पटिंग एक ओपन-सोर्स गाइड है, जो आपको मुफ्त में एआई से बेहतर तरीके से कम्युनिकेट करना सिखाती है।

कंटेंट क्रिएशन और इंफ्लुएंसर मार्केटिंग: यूट्यूब, इंस्टाग्राम और पॉडकास्ट अब सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि फुल-टाइम बिजनेस बन चुके हैं। एक खास विषय पर अच्छी पकड़ और दर्शकों से जुड़ने का हुनर आपको ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए रातों-रात सेलिब्रिटी और अमीर बना सकता है। फाइनेंस की जानकारी देने वाले फिनफ्लुएंसर और डिजिटल मार्केटिंग का फील्ड भी अच्छा है। डिजिटल मार्केटिंग की बेसिक जानकारी के लिए आप गूगल डिजिटल गैरेज मुफ्त में इस्तेमाल कर सकते हैं।

सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट: दुनिया अब पर्यावरण को लेकर गंभीर है। कंपनियां ऐसे लोगों को खोजती रहती हैं, जो उन्हें 'ईको-फ्रेंडली' बनने में मदद करें। अगर आप पर्यावरण प्रेमी हैं और बिजनेस की समझ रखते हैं, तो यह क्षेत्र भविष्य का सबसे बड़ा मार्केट है। सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट वह पेशेवर होता है, जो कंपनियों और संगठनों को पर्यावरण के अनुकूल काम करने और अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की सलाह देता है। इसके लिए संबंधित शैक्षणिक योग्यता जरूरी है। पर्यावरण प्रबंधन या ईएसजी में (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) विशेषज्ञता हासिल करना आपकी प्रोफाइल को बेहतर बनाता है। एक सफल कंसल्टेंट बनने के लिए आपको तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स दोनों की आवश्यकता होती है। जैसे कार्बन उत्सर्जन और पानी के उपयोग जैसे डेटा का विश्लेषण करना आना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार रिपोर्ट तैयार करना आना चाहिए। अपने क्लाइंट के वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए स्थाई व्यावसायिक रणनीतियां बनाने की चतुराई होनी चाहिए। साथ ही आप में अपने क्लाइंट्स को जटिल पर्यावरणीय नीतियों को सरल भाषा में समझाने की कला भी होनी चाहिए। *

{ कविता }

अवतार सिंह अक्षरजीवी

स्लेटीपन

कोई सुख, नहीं होता पूरा सुख
कोई दुख, नहीं होता पूरा दुख
चरित्र आधे-अधूरे होते हैं
भावनाएं-कई रंगों का मिश्रण,
एक कोने पर थोड़ा-सा सफेद
दूसरे किनारे पर जरा-सा काला
इनके बीच में बहुत सारा स्लेटी होता है।
सुख में नुकसान ढूंढ़ लेता है मन
और दुख में आनंद तलाश लेता है,
गीतों में से निकाल सकते हैं कंक्रीट
और राख में भी संगीत देख सकते हैं,
किसी का स्वभाव कैसा भी हो
हमारे अनुकूल हो, बस ठीक है जैसे
गर्मियों का आलोचक है संसार लेकिन
शहर की खाली सड़कें, कम ट्रैफिक
इस ऋतु को बेहतर घोषित करने में
कहीं न कहीं विवश सा कर देता है।

पतझड़

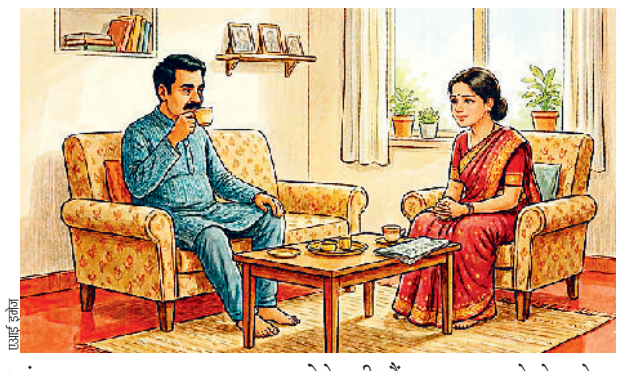

उसकी दरवाजे पर हल्की-सी वह दस्तक मुझे आज भी याद है। दरवाजे की सांकल खोलते ही उसे सामने पाया तो मैं एक बारगी ठगा-सा रह गया। सारा केश विन्यास अस्त-व्यस्त था, चेहरे की लालिमा कहीं खो सी गई थी। आंखों के नीचे स्याही की एक मोटी रेखा ने मुझे झकझोर दिया। मैंने उसके शांत लेकिन अंदर तक उद्वेलित चेहरे को पढ़ने का प्रयास किया। मुझे लगा कि वह नितांत अकेली वन में खड़ी एक प्यासी हिरनी सी है, जो अपने साथी के बिछड़ जाने पर अपनी गोल-गोल चपल आंखों में अतीत के कितने ही पल समेटे हुए है। मैं और वह किंकर्तव्यविमूढ़ से एक-दूसरे को कुछ देर तक निहारते रह गए। तंद्रा तब टूटी, जब बादलों की तेज गड़गड़ाहट ने हमें बारिश होने का अहसास दिलाया। 'आओ न! बाहर क्यों खड़ी हो?' मैंने सहज भाव से उसे अंदर आने का निमंत्रण दिया। ऐसा लगा कि हम वर्षों वर्ष अलग रहने के बावजूद भी भावनात्मक रूप से कहीं जुड़े हुए हैं। गहरी चुप्पी के साथ वह अंदर आ गई और सोफे के एक किनारे पर सिमट कर जड़वत बैठ गई। 'आज अचानक, इस तरह!' मैंने खामोशी को तोड़ने का प्रयास किया। सुनते ही उसकी आंखों में लाल डोरे तैरने लगे, जिन्हें मैंने साफतौर पर महसूस किया। 'कुछ परेशान सी हो! क्या हुआ?' मेरे यह पूछते ही वह संयम खो बैठी। आंखों में बरसों से सिमटा दर्द एकाएक आंसुओं की धार बनकर बह निकला। जब तक मैं कुछ समझ पाता वह फूट-फूटकर रोने लगी। मैं एकटक उसके मन का बोझ हल्का होते देखता रहा। कुछ समय बीता और वह धीरे से कुछ बुदबुदाई। मैंने सुना वह प्रायश्चित कर रही थी। 'मुझे माफ कर दो सुमी! मैं हार गई हूं। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।' उसकी आवाज की कंपकंपी को मैंने सर्द झौंके सा महसूस किया। एक ठंडी सिहरन मेरे तन-बदन में दौड़ गई। कुछ देर बाद मैं चाय बनाकर ले आया। मेरे आग्रह पर उसने चाय का कप उठा लिया। 'याद है मिनी...' मैंने उसे टटोलते हुए कहा, 'मैंने कभी भी अपने हाथ से चाय नहीं बनाई और न ही मैं आज तक ठीक से चाय बनाना सीख सका, क्योंकि तुमने मुझे अपने ऊपर इतना निर्भर कर दिया था। तुम कहती थी कि मेरे होते तुम चाय क्यों बनाओगे? सब कुछ बदल गया इधर कुछ सालों से! देखो तो चाय ठीक बनी है या नहीं? मिनी ने हां में सिर हिलाया और उसकी आंखें मेरे चेहरे पर ठहर गईं। प्रशंसा की यह मूक भाषा मैंने उसकी आंखों में पहली बार पढ़ी थी। 'तुम्हें पता है सुमी! मैं भी इतने बरस, इतनी अकेली रही हूं कि चैन की एक सांस भी न ले सकी। हर घड़ी तुम्हारे साथ बीते पल मुझे कुरेदते रहते। मेरा अहंकार मुझे धीरे-धीरे खोखला करता गया और मैं घुन लगे पेड़ की तरह अंदर से बिल्कुल बेजान हो गई। मुझमें अकेले खड़े रहने की भी ताकत नहीं बची, सुमी मैं टूट गई हूं। मुझे मेरा सहारा वापस दे दो प्लीज। अब मैं तुम्हारे सहारे जीना चाहती हूं।' उसका क्रंदन मुझे भीतर तक सालता चला गया। दस साल पहले वह उस पत्ते की तरह मुझसे अलग हो गई थी, जो पतझड़ के मौसम में एक क्षण में अपनी शाख से अलग हो जाता है। उसने मुड़कर भी नहीं देखा था तब। घर छोड़कर जाते समय उसने अपने दोनों बच्चों रजत और सजल को भी नहीं पुकारा। एक निष्ठुर मां बनकर उसने घर में कदम न रखने की कसम खाई थी और फिर लौटकर नहीं आई। आज दस साल बीतने के बाद वक्त ने करवट ली थी और हम दोनों उसी कमरे में एक बार फिर साथ बैठे हैं। *

-डॉ. सुबोध भटनागर

तस्वीर

{ लघुकथाएं }

पा-पापा आप ये क्या देख रहे हैं?' अशोक के बेटे ने पूछा। 'बेटा एक पुरानी तस्वीर देख रहा हूं। अपने भाई-बहनों की।' आंखें नम करते हुए अशोक ने जवाब दिया। 'कौन-कौन हैं ये?' बेटे ने तस्वीर को गौर से देखते हुए पूछा। तस्वीर को दिखाते हुए अशोक बोले, 'पीली ड्रेस वाली तेरी बड़ी बुआ, पिंक ड्रेस में मंझली बुआ और लाल में जो बैठी है, वो छोटी बुआ।' 'और ये हरी ड्रेस में कौन है?' बेटे ने पूछा। 'अरे यह मेरा छोटा भाई श्यामू यानी तेरा चाचू।' अशोक ने बताया। 'इसका मतलब नीली शर्ट वाले आप ही हैं।' बेटे ने शरारती लहजे में कहा। अशोक ने मुस्कुराते हुए हां में गर्दन हिला दी। 'लेकिन पापा इनको तो मैंने कभी देखा ही नहीं। बुआ और चाचू अब कहां हैं और अपने घर क्यों नहीं आते?' बेटे ने फिर सवाल किया। अशोक ने स्वयं को संभालते हुए कहा, 'हम सबको पिताजी ने यानी तुम्हारे दादाजी ने खूब पढ़ाया-लिखाया लेकिन...' 'लेकिन क्या पापा?' बेटे ने पूछा। 'ये सब विदेश में जाकर बस गए वहीं बड़ी-बड़ी कंपनियों में इंजीनियर हैं।' अशोक ने उदास मन से जवाब दिया। 'आप क्यों नहीं गए विदेश पापा पढ़े-लिखे तो आप भी बहुत है।' बेटे ने पूछा। 'बेटा, मैं भी जाने को तो चला जाता लेकिन बूढ़े मां-बाप की जिम्मेदारी थी मुझ पर... उनकी देखभाल जो करनी थी।' अशोक ने कहा। 'तो क्या बड़े का ही कर्तव्य होता है मां-बाप की सेवा करना, छोटों का नहीं?' बेटे ने थोड़ा गंभीर होते हुए पूछा। 'होता तो है लेकिन कोई समझे तब ना!' उन्होंने लंबी सांस भरते हुए कहा। बेटे का चेहरा उतर गया। उसके उतरे चेहरे को देखकर अशोक ने पूछा, 'अरे तुमने मुंह क्यों लटका लिया?' उसने धीरे से कहा, 'इसका मतलब तो यह हुआ कि मैं बड़ा होकर विदेश नहीं जा सकता।' 'क... क... क्यों... नहीं जा सकते तुम?' अशोक ने आश्चर्य से पूछा। 'मैं तो आपका इकलौता बेटा हूं ना इसलिए। मुझे तो बड़े होने की भूमिका निभानी है, छोटे होने की नहीं।' बेटा यह कहते हुए अपने पापा के गले से लिपट गया। बेड पर रखे एलबम के पन्ने हवा के संग फड़फड़ा रहे थे। *

-गोविंद भारद्वाज

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

लोक-संस्कृति का प्रवाह

वर्तमान आधुनिकता के हाहाकारी बयार और पश्चिमी अंधानुकरण के दौर में जब जन सामान्य, अपनी जड़ों से दूर होता जा रहा है, ऐसे में लोक संस्कृति से जुड़ाव की दिशा में किया गया छोटा सा प्रयास भी बहुत मायने रखता है। इस लिहाज से हाल में प्रकाशित हुए 'नवोदित प्रवाह' के लोक संस्कृति विशेषांक की सराहना की जानी चाहिए। इसमें देश के लगभग हर प्रदेश की लोक संस्कृति की बहुरंगी छवि देखी जा सकती है। संस्कृति की महत्ता को रेखांकित करते हुए वरिष्ठ लेखक राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी लिखते हैं, 'संस्कृति जीवन के साथ चलती है, जीवन के प्रवाह में बहती है, जीवन को गति देती है, जीवन को प्रेरित और निर्देशित करती है।' रमई काका पर गंगा प्रसाद शर्मा का लेख, कजली पर कृष्ण कुमार यादव का लेख, लावणी लोकनृत्य पर इंदिरा किसलय का लेख समेत पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक विरासत पर भी बढ़िया लेख यहां पढ़े जा सकते हैं। बंगाल के लोक साहित्य पर अल्पना सिंह का लेख, छत्तीसगढ़ के लोकगीत और लोकनृत्य पर ममता तिवारी का लेख भी पठनीय है। इनके अलावा 'महुआ घटवारिनः एक अधूरी प्रेम कहानी' (कहानी), 'गर्व या मातम' (लघुकथा) और लोक-सांस्कृतिक रंग में रंगी बुद्धिनाथ मिश्र, आकांक्षा द्विवेदी, कृष्ण बिहारी, उद्भ्रांत की कविताएं विशेष रूप से पठनीय हैं। वरिष्ठ कवि बाल स्वरूप राही के साक्षात्कार ने इस अंक की महत्ता को और बढ़ा दिया है। *

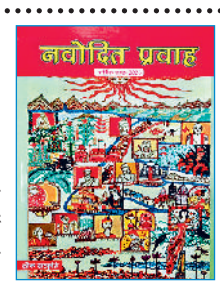

पत्रिका: नवोदित प्रवाह-वार्षिकांक 2026 (लोक संस्कृति विशेष),
संपादक: रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्य:** 200 रुपए
प्रकाशन स्थल: देहरादून, उत्तराखंड

सुदर्शन सेंड आर्ट म्यूजियम पुरी

ओडिशा के समुद्र तट के पास स्थित इस म्यूजियम की स्थापना मशहूर सेंड आर्टिस्ट सुदर्शन पट्टनायक ने साल 2010 में की थी। इसका उद्देश्य सेंड आर्ट को वैश्विक पहचान दिलाना और सामाजिक संदेशों को कला के माध्यम से प्रस्तुत करना है। यहां रेत से बनी विशाल मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं, जिनमें भगवान श्री जगन्नाथ, पर्यावरण संरक्षण, विश्व शांति, आध्यात्मिकता और भारतीय संस्कृति से जुड़े विषय प्रमुख होते हैं। रेत जैसी साधारण चीज को अद्भुत कला में बदल देना, इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्यतः समुद्र तट पर बनाई गई सेंड आर्ट कुछ समय बाद लहरों से नष्ट हो जाती है, लेकिन यहां विशेष तकनीक और केमिकल ट्रीटमेंट की मदद से स्कल्पचरों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जाता है। अपनी इस अनूठी कला के लिए सुदर्शन पट्टनायक को भारत सरकार द्वारा पद्म श्री सम्मान मिल चुका है। *

काइट म्यूजियम अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में स्थित इस काइट म्यूजियम की स्थापना सन 1985 में भानुभाई शाह की पतंगों के निजी संग्रह से हुई थी। यहां पतंगों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और कलात्मक विविधता देखने को मिलती है। यहां भारत और विदेशों की 125 से अधिक अत्यंत दुर्लभ और कलात्मक पतंगें रखी गई हैं, जिनमें जापान, मलेशिया, कोरिया, अमेरिका जैसे देशों की पतंगे भी शामिल हैं। कुछ पतंगें मिनिएचर आकार की हैं, तो कुछ विशाल और अत्यंत कलात्मक हैं। संग्रहालय में हाथ से चित्रित, मिरर वर्क और ब्लॉक प्रिंट वाली पारंपरिक गुजराती पतंगें भी हैं। यहां एक 16 फीट लंबी पतंग भी है, जिस पर उकेरा गया गरबा डांस आने वाले दर्शकों को बरबस ही अपनी ओर खींचता है। उत्तरायण उत्सव के दौरान यहां बड़ी संख्या में सैलानी आते हैं। *

सुधा कार म्यूजियम हैदराबाद

ऑटोमोबाइल डिजाइनर के. सुधाकर द्वारा तेलंगाना के हैदराबाद में स्थापित यह म्यूजियम, दुनिया का पहला हैंडमेड कार म्यूजियम है। यह भारतीय नवाचार, रचनात्मकता और ऑटोमोबाइल के अनूठे संगम को दर्शाता है। सबसे खास बात है कि यहां प्रदर्शित कारें और बाइक, दैनिक जीवन में इस्तेमाल होने वाली चीजों के रूपाकार में डिजाइन की गई हैं जैसे- कैमरा, पर्स, जूता, किताब, बर्गर, क्रिकेट बैट, लिपस्टिक, टेबल टेनिस बॉल आदि। सभी गाड़ियां वर्किंग कंडीशन में हैं लेकिन बिक्री के लिए नहीं हैं। यहां दुनिया की सबसे बड़ी तिपहिया साइकिल और सबसे छोटी डबल डेकर बस भी देखी जा सकती है, जिन्हें गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स में भी शामिल किया गया है। हर गाड़ी के साथ उसकी निर्माण प्रक्रिया, लागत, अधिकतम गति आदि की जानकारी भी दी गई है। यह म्यूजियम बच्चों-बड़ों सभी को पसंद आता है। *

{ अमेजिंग / रजनी अरोड़ा } स्पेशलः इंटरनेशनल म्यूजियम-डे, 18 मई

संग्रहालय यानी म्यूजियम ऐसी जगह होती है, जहां इतिहास, कला, संस्कृति, रक्षा या विज्ञान की दृष्टि से महत्वपूर्ण वस्तुओं का संग्रह और संरक्षण किया जाता है। इसके अलावा कई संग्रहालयों में यूनिक आइटम्स का संग्रह भी किया जाता है। अपने देश में स्थित कुछ अनोखे संग्रहालयों पर एक नजर।

देश के अनूठे म्यूजियम

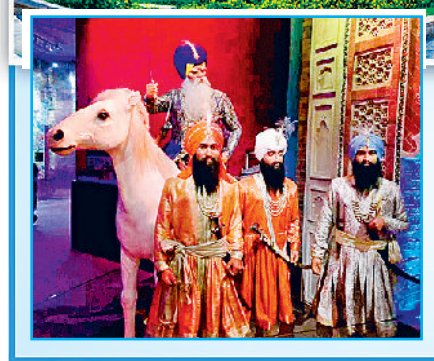

विरासत-ए-खालसा आनंदपुर साहेब

इस संग्रहालय की स्थापना पंजाब में वर्ष 2011 में की गई थी। यहां सिख गुरुओं के जीवन, खालसा पंथ की स्थापना, पंजाब के इतिहास, संस्कृति और धार्मिक संघर्षों को अत्याधुनिक मल्टीमीडिया तकनीकों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इसकी इमारत का अनोखा वास्तुशिल्प भी आकर्षण का केंद्र है। विशाल पेंटिंग्स, मल्टीमीडिया लाइट एंड साउंड शो, यहां आने वाले दर्शकों को ऐतिहासिक घटनाओं का जीवंत अनुभव कराते हैं। इस म्यूजियम की गिनती भारत के तकनीकी तौर पर एडवांस म्यूजियमों में की जाती है। *

नेवल एविएशन म्यूजियम गोवा

साल 1998 में गोवा में स्थापित इस म्यूजियम में कई विंटेज विमान और लड़ाकू विमानों में प्रयोग होने वाले हथियार प्रदर्शित किए गए हैं। साथ ही यहां आईएनएस विराट युद्धपोत का मॉडल भी रखा गया है। इस अनोखे म्यूजियम में एवियाफ्लिक्स थिएटर भी है, जहां पर्यटक नेवल एविएशन के बारे में रोचक जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं। भूख लगे तो यहां बने कॉकपिट कैफे में आराम से बैठकर खा-पी भी सकते हैं। *

आरबीआई मॉनेटरी म्यूजियम मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मुंबई में संचालित इस म्यूजियम की स्थापना वर्ष 2004 में की गई थी। यहां मुद्रा से जुड़ी डेढ़ हजार से ज्यादा वस्तुओं का संग्रह है। इस म्यूजियम में छठी सदी से आज तक के सिक्के और नोटों का अच्छा कलेक्शन है। पर्यटक यहां नोटों और सिक्कों के बनने का प्रोसेस भी जान सकते हैं। साथ ही समझ सकते हैं कि करेंसी में किस-किस तरह की सिक्योरिटी फीचर होते हैं। *

इंडियन म्यूजिक एक्सपीरियंस म्यूजियम बेंगलुरू

2018-19 में कर्नाटक के बेगलुरु में स्थापित यह म्यूजियम, भारत का पहला इंटरएक्टिव म्यूजिक म्यूजियम है। इस म्यूजियम की स्थापना का उद्देश्य भारतीय संगीत की हजारों वर्षों पुरानी परंपरा को आधुनिक तकनीक के साथ प्रस्तुत करना था। यहां भारतीय संगीत के इतिहास, शास्त्रीय संगीत, लोकसंगीत, सूफी संगीत, फिल्म संगीत और आधुनिक संगीत की यात्रा को डिजिटल डिस्प्ले, ऑडियो इंस्टालेशन और इंटरएक्टिव तकनीकों के माध्यम से समझाया जाता है। म्यूजियम में तबला, सितार, सरोद, वीणा जैसे वाद्ययंत्रों का भी प्रदर्शन किया गया है। दर्शक यहां हेडफोन, टच स्क्रीन और डिजिटल गैलरी के माध्यम से विभिन्न वाद्ययंत्रों को सुनने और स्वयं बजाने का अनुभव भी कर सकते हैं। *

ट्रिक आर्ट 3-डी म्यूजियम चेन्नई

भारत का पहला ट्रिक आर्ट 3-डी म्यूजियम की स्थापना तमिलनाडु के चेन्नई में कलाकार ए. पी. श्रीधर ने साल 2016 में की थी। यह म्यूजियम फ्रेंच आर्ट फॉर्म-ट्रॉम्प लोय या दृष्टि भ्रमकारी कला यानी (ऑप्टिकल इल्यूजन) और इंटरेक्टिव आर्ट के लिए मशहूर है। यहां की गैलरियों में दर्शकों को भ्रमित कर देने वाली 24 से अधिक इंटरएक्टिव 3-डी पेंटिंग्स प्रदर्शित की गई हैं। जो आने वाले दर्शकों को एक जादुई दुनिया का अहसास कराती हैं। इनके साथ खड़े होकर फोटो लेने पर ऐसा लगता है, मानो ये पेंटिंग्स जीवित हो गई हैं। यहां आने वाले दर्शक उस दृश्य का हिस्सा-सा बन जाते हैं और उनके साथ फोटो खिंचवाए बिना नहीं रहते। ट्रिक आर्ट म्यूजियम की तर्ज पर अब बेंगलुरू में क्लिक आर्ट म्यूजियम और मुंबई में पैराडॉक्स म्यूजियम भी बनाए गए हैं। *

ब्रेन म्यूजियम बेंगलुरू

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज (निमहांस) द्वारा बेगलुरु में स्थापित यह भारत का एकमात्र और विश्व के गिने-चुने ब्रेन म्यूजियमों में से एक है। इस म्यूजियम में 400 से अधिक मानव मस्तिष्क और कई पशु-पक्षियों (जैसे- गाय, मुर्गी, चूहा, बंदर) के मस्तिष्क फॉर्मलीन केमिकल में संरक्षित करके प्रदर्शित किए गए हैं। जिन्हें पिछले 40 वर्षों में वैज्ञानिकों ने एकत्र किया है। इनके अलावा यहां फेफड़े, वोकल बॉक्स, आंतें और मानव कंकाल के नमूने भी हैं। शुरुआत में ये संग्रह मेडिकल छात्रों और शोध के लिए थे, लेकिन अब आम जनता के लिए भी खोले गए हैं। इसका उद्देश्य न्यूरोसाइंस की जानकारी देना, ब्रेन की संरचना, कार्य, विकास और कुछ बीमारियों (जैसे- अल्जाइमर, पार्किंसन, ब्रेन ट्यूमर) से जुड़ी भ्रांतिया दूर करने के साथ अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाना है। यहां पर्यटक असली मानव मस्तिष्क को हाथ में लेकर भी देख सकते हैं, जो रोमांच से भर देता है। *

{ विशिष्ट पेड़ / वीना गौतम }

बहुपयोगी इमली का पेड़

बढ़ती लागत, घटती पैदावार और जल संकट के इस दौर में भारत के किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह ऐसी खेती का चुनाव करें, जो कम खर्च में स्थाई और भरोसेमंद आय दे सके। इस नजरिए से इमली का पेड़ एक अच्छा विकल्प है। लंबे जीवनकाल, कम देखभाल और सूखा सहन करने की इमली के पेड़ में अद्भुत क्षमता के कारण इसे एक बार लगाने के बाद सालों साल लगातार उत्पादन देता रहता है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी इसकी स्थिर मांग बनी रहती है।

आसान है खेतीः खास बात यह है कि इसे खेत की मेढ़ों या बंजर भूमि पर भी उगाया जा सकता है, जो अतिरिक्त आय का स्रोत बन सकता है। भारत के सबसे उपयोगी और बहुउद्देशीय पेड़ों में से एक इमली के पेड़ का वैज्ञानिक नाम टैमरिंड्स इंडिका है। यह मूल रूप से अफ्रीका का पेड़ है, लेकिन प्राचीन काल से ही भारत में इसकी समृद्ध मौजूदगी रही है। दक्षिण भारत में विशेषकर कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, मध्य भारत में छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में तथा महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के अलावा असम, बंगाल और बिहार में भी इमली के पेड़ बड़ी संख्या में पाए जाते हैं।

आर्थिक-पर्यावरणीय महत्ताः इमली सिर्फ किसानों की आर्थिक आय का ही मजबूत स्रोत नहीं बन सकता बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह महत्वपूर्ण पेड़ है। इमली का पेड़ 15 से 25 मीटर तक ऊंचा हो सकता है। यह दीर्घजीवी पेड़ है यानी बहुत आसानी से 100 से 200 सालों तक फलता है। इसका तना मजबूत, मोटा और खुरदुरा होता है। इसकी कैनोपी यानी इसका छत्र, घना और फैलावदार होता है। इसमें छोटी-छोटी कंपाउंड पत्तियां पाई जाती हैं। ये पत्तियां हल्की हरी और मुलायम होती हैं। इमली के पेड़ में छोटे पीले रंग के लाल धारियों के साथ फूल लगते हैं, ये अप्रैल से जून के महीने में लगते हैं और फिर लंबी भूरे रंग की फली जिसके अंदर खट्टा-मीठा गूदा होता है, इसके बीज कठोर और चमकीले होते हैं। इमली के पेड़ का मुख्यतः प्रजनन बीज द्वारा होता है। 25 से 35 डिग्री सेंटीग्रेड का तापमान इसके लिए आदर्श होता है और जिन इलाकों में सालाना 500 से लेकर 1500 मिलीमीटर तक वर्षा होती है, वहां इसे आराम से लगाया जा सकता है। यह मिट्टी का कटाव रोकता है। पशुओं के लिए छाया और चारा देता है। इमली का पेड़ कार्बन अवशोषण के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जाता है और दीर्घकाल में यह खेती की उत्पादकता भी बढ़ाता है। हाल के सालों में इमली के फलों की मांग देश ही नहीं विदेश में भी काफी ज्यादा हुई है। किसानों के लिए इमली का पेड़ कम लागत में ज्यादा लाभ का शानदार जरिया है। इमली के गूदे का भारत में हर जगह विभिन्न तरह के खाए जाने वाले व्यंजनों में उपयोग किया जाता है, विशेषकर सांभर, चटनी, कढ़ी और कई तरह के पेय पदार्थ में इमली का उपयोग होता है। फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में इसकी अच्छी खासी मांग है। टार्टरिक एसिड, पॉलिश और कई किस्म की दवाइयां इसके इस्तेमाल से बनाई जाती हैं। *

{ सक्सेस फंडा / नेहा जैन }

अगर आप जीवन में कुछ बड़ा, कुछ नया पाने की तमन्ना रखते हैं, तो आपको अपने काम करने के तरीके में भी कुछ नयापन लाना होगा।

बदलें पुरानी वर्किंग स्टाइल
लिखें सक्सेस की नई कहानी

सफलता संसाधनों की अधिकता से नहीं, बल्कि सोच की स्पष्टता और काम करने के स्मार्ट तरीकों से मिलती है। अगर सूझबूझ और स्मार्ट तरीके से काम किया जाए तो आपको हैवी फंडिंग या भारी-भरकम टीम की जरूरत नहीं होती है। आपके काम करने का तरीका ही वह असली फंडा है, जो आपको भीड़ से अलग खड़ा करेगा और सफलता के मुकाम तक पहुंचाएगा। इस बारे में जेसन फ्राइड और डेविड हैनमेयर हैनसन की पुस्तक 'रीवर्क' में डिटेल में बताया गया है।

लोगों पर नहीं काम पर करें फोकसः जब भी आप कोई नया काम करने की सोचते हैं, लोग तरह-तरह की बातें करते हैं और कई बार आपको हतोत्साहित करते हैं। ऐसे में आपको अपनी मेहनत और कौशल पर यकीन करना चाहिए। दूसरों के अनुभवों से डरने के बजाय अपने प्रयोग करने चाहिए।

प्लानिंग से ज्यादा जरूरी एक्शनः अत्यधिक योजनाएं बनाने में समय नष्ट न करें। बस शिद्दत से काम शुरू करें, बाकी चीजें समय के साथ स्पष्ट होती चली जाएंगी। यह समझना होगा कि सिर्फ बातें करने से कुछ नहीं होगा। जो आप वास्तव में बना रहे हैं, उस पर ध्यान केंद्रित करें।

कम में ज्यादा खोजेंः आप कुछ भी करें, बाधाएं तो आएंगी ही। 'मेरे पास पैसे नहीं हैं' या 'मेरी टीम छोटी है' जैसे बहाने बनाना छोड़ें। कम संसाधन आपको समाधान खोजने के लिए मजबूर करते हैं। छोटे बजट में आप फालतू खर्चों से बचते हैं और केवल वही करते हैं, जो सबसे ज्यादा जरूरी है। याद रखिए सीमाएं ही नवाचार की जननी हैं।

अपनी अलग पहचान बनाएंः यदि आप दूसरों की नकल करेंगे, तो भीड़ में खो जाएंगे। अपनी सर्विस या प्रोडक्ट को पर्सनल टच दें। यदि आप काम में अपने अनोखे विचार डालते हैं, तो आपका कॉम्पिटिशन कम हो जाता है। लोग आपकी सर्विस इसलिए लेंगे क्योंकि वह औरों से अलग है।

गलतियों से न डरेंः असफलता अंत नहीं है। असफल होना आपको सिखाता है कि क्या काम नहीं करना है। अपनी गलतियों को सुधारें, गलतियों से सीखें और आगे बढ़ें। याद रखें, काम करने का असली तरीका किताबी नहीं, बल्कि व्यावहारिक अनुभव होता है।

वर्कोहलिक बनने से बचें: बिना आराम किए दिन में 15-18 घंटे काम करना मेहनत नहीं, बल्कि कुप्रबंधन है। इससे आपकी क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी पर बुरा असर पड़ सकता है। असली कुशलता कम समय में गुणवत्तापूर्ण परिणाम देने में है। कम समय में स्मार्ट तरीके से काम करना ही असली कुशलता है।

'ना' कहना भी जरूरीः एक साथ बहुत सारे काम करने की कोशिश में हम अकसर औसत दर्जे का परिणाम देते हैं। फालतू सुझावों और ध्यान भटकाने वाली चीजों को 'ना' कहें ताकि आप अपनी कोर स्ट्रेंथ पर ध्यान केंद्रित कर सकें। 'ना' कहना आपको अपने मुख्य लक्ष्य पर केंद्रित रखता है।

अकेलेपन का समय निकालेंः रचनात्मक काम के लिए गहरी एकाग्रता चाहिए। दिन का कोई एक हिस्सा 'साइलेंस जोन' के लिए रखें, जहां कोई आपको डिस्टर्ब न कर सके। यही वह समय है जब आप अपना 'डीप वर्क' पूरा कर पाएंगे। *

हाल में ही सोनी एंटरटेनमेंट चैनल और सोनी लिव पर गेम रियलिटी शो 'तुम हो ना' शुरू हुआ है। बतौर होस्ट इसके जरिए राजीव खंडेलवाल ने लंबे अंतराल के बाद टीवी पर वापसी की है। इस शो को एक्सेप्ट करने की क्या वजह रही? लंबे समय तक टीवी से दूर क्यों रहे? शो और करियर से जुड़े कुछ और सवाल राजीव खंडेलवाल से।

मैं वही काम करना चाहता हूं जो मुझे खुशी दे: राजीव खंडेलवाल

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

अभिनेता राजीव खंडेलवाल ने सबसे पहले एकता कपूर के टीवी डेली सोप 'कहीं तो होगा' से प्रसिद्धि पाई। फिर रियलिटी शो 'सच का सामना' के दो सीजन के दौरान उन्हें खूब लोकप्रियता मिली। लंबे गैप के बाद राजीव एक बार फिर महिलाओं के सम्मान और खुशी पर आधारित गेम-रियलिटी शो 'तुम हो ना' होस्ट करते नजर आ रहे हैं। यह शो खासतौर पर उन महिलाओं को लेकर बनाया गया है, जो अपने घर की बॉस हैं और मुश्किलों से भरी जिंदगी जीकर अपना मुकाम बना चुकी हैं। हाल ही में हुई लंबी बातचीत में राजीव खंडेलवाल ने इस शो से जुड़े सवालों के बेबाक अंदाज में जवाब दिए। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

'तुम हो ना' रियलिटी शो में क्या खास लगा, जिस वजह से आपने इसे होस्ट करना एक्सेप्ट किया?

खास वजह यही है कि यह शो महिलाओं पर केंद्रित है। 'तुम हो ना' महिलाओं का शो है, जिसमें कॉमन महिलाएं आती हैं, और अपने दिल की बातें, अपना संघर्ष अपनी खुशी और गम हमारे साथ शेयर करती हैं। हम उनको गेम्स खिलाते हैं, उनका मनोरंजन करते हैं। इस शो में कई मां-बहनें अलग-अलग शहरों से अपने अनुभव लेकर आती हैं और अपना अनुभव हमारे साथ साझा करती हैं।

इस शो के लिए क्या आपने अपने ड्रेसिंग स्टाइल पर भी खास ध्यान दिया है?

हां, मेरी स्टाइलिस्ट ने कहा कि इस शो के लिए अगर हम ड्रेसिंग में महिला की ज्वेलरी का इस्तेमाल करेंगे तो बहुत अच्छा लगेगा। मैंने अपने ड्रेस में महिलाओं की ज्वेलरी जैसे बिंदी, पायल, मांग टीका, झुमके आदि का इस्तेमाल किया है। इसके अलावा बांदनी चुन्नी का भी उपयोग किया है। पहले मैं थोड़ा असमंजस में था, लेकिन बाद में जब लोगों ने तारीफ की तो मुझे लगा कि यह वाकई स्टाइलिश लग रहा है। सच कहूं तो इस शो में इस तरह की ड्रेस पहनने का पर्पस मेरी ओर से महिलाओं को खास अंदाज में ट्रिब्यूट देना है।

'तुम हो ना' से पहले आपने काफी लंबा गैप लिया। इतना लंबा ब्रेक लेने के पीछे क्या खास वजह रही?

मनपसंद रोल नहीं मिल रहा था। एक ही तरह के रोल ऑफर हो रहे थे, जो तीन-चार साल तक चलने वाले डेली सोप के थे। मैं इतने लंबे समय वाले सीरियल नहीं करना चाहता था। मैंने कभी भी काम के लिए 'ना' नहीं कहा, लेकिन अच्छा काम न होने की वजह से मुझे गैप लेना पड़ा। पैसों की ऐसी भी किल्लत नहीं थी कि मुझे अनाप-शनाप काम करना पड़े। मैं वही काम करना चाहता हूं जो मुझे खुशी दे और जिसमें मुझे देखकर दर्शक खुश हो। सोनी का यह शो जब ऑफर हुआ, तो मुझे इसका कॉन्सेप्ट बहुत यूनीक और अच्छा लगा, इसलिए मैंने यह शो एक्सेप्ट कर लिया।

शो 'तुम हो ना' में एक कंटेस्टेंट से बात करते हुए राजीव खंडेलवाल

'सच का सामना' और 'तुम हो ना', दोनों रियलिटी शोज में आपको मुख्य तौर पर क्या फर्क नजर आता है?

दोनों ही शोज रियलिटी से जुड़े हैं। दोनों में ही आम लोग पार्टिसिपेट करते हैं। फर्क यह है कि 'सच का सामना' में आम लोगों ने अपनी जिंदगी के कड़वे-सच्चे अनुभवों के बारे में बताया, जबकि 'तुम हो ना' शो में उन आम महिलाओं की कहानी है, जिन्होंने अपना जीवन अपने परिवार को समर्पित करके परिवार की स्टार बनीं। वह घर की मांएं, बेटियां और बहनें हैं, जिनकी मर्जी के बगैर घर में कुछ नहीं होता। 'सच का सामना' को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। रिलेटेबल और अलग हटके कॉन्सेप्ट होने के कारण 'तुम हो ना' को भी दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

आपने कुछ समय पूर्व एक वेब सीरीज भी की 'अमर विश्वास', जो कोर्ट रूम ड्रामा पर केंद्रित है। क्या यह सच है कि अब आपको टीवी डेली सोप से ज्यादा वेब सीरीज में काम करना पसंद है?

नहीं, ऐसी कोई बात नहीं है। मैं एक एक्टर हूं और मुझे जहां अच्छा रोल मिलेगा, मैं करना चाहूंगा, फिर चाहे वह फिल्म हो, टीवी हो, वेब सीरीज या थिएटर ही क्यों ना हो। मैं वह सब काम करूंगा, जिसमें मेरी दिलचस्पी है, जैसे कि थिएटर करने में मुझे सबसे ज्यादा मजा आता है। क्योंकि वहां पर लाइव ऑडियंस मिलती है।

आपने फिल्म, टीवी और वेब सीरीज के अलावा थिएटर भी किया है?

हां, मैंने एक थिएटर किया था 'कोर्ट मार्शल' जो जी-टीवी के लिए था। इसमें मैंने वकील की भूमिका निभाई थी। लाइव ऑडियंस के सामने आधा-आधा घंटे के दो भाग में मेरा परफॉर्मेंस था। लाइव ऑडियंस के अलावा एनएसडी के थिएटर कलाकारों ने जब मेरी एक्टिंग की तारीफ की तो मुझे बहुत खुशी और संतुष्टि मिली। मेरा मानना है कि थिएटर में किया गया अभिनय सबसे मुश्किल होता है, बावजूद इसके थिएटर के कलाकारों को कोई अवार्ड नहीं मिलता, इस बात का मुझे दुःख है। *

घर की महिलाएं होती हैं रियल स्टार

'तुम हो ना' महिलाओं पर केंद्रित शो है, जिसे राजीव होस्ट कर रहे हैं। उनकी पर्सनल लाईफ में महिलाओं की क्या भूमिका रही है, इस बारे में पूछने पर वह बताते हैं, 'मेरी जिंदगी में बचपन से लेकर आज तक महिलाओं का प्यार मां, बहन और पत्नी के रूप में हमेशा रहा है। मेरे पिता मिलिट्री में थे इसलिए मैंने अपनी मां के साथ बहुत वक्त बिताया है। आज वह नहीं हैं मेरे साथ लेकिन उनका बहुत बड़ा योगदान मेरे जीवन में है। अच्छे संस्कार और अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा और सीख मुझे मेरी मां से मिली। महिलाओं के सम्मान में मुझे यही कहना है कि जो चमकते हैं, सिर्फ वही स्टार नहीं होते! घर की महिला सदस्य रियल स्टार होती हैं, जो हमें बचपन से सपोर्ट देती हैं, एक अच्छा इंसान बनाती हैं, हमें आगे बढ़ने का हौसला देती हैं।